मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 316
मंगलवार, 10 जून 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मोदी सरकार के 11 साल पर मल्लिकार्जुन खड़गे ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 09 जून। कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में देश के लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा झटका दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार ने इन 11 वर्षों में संविधान के हर पन्ने पर केवल ?तानाशाही की स्याही पोत दी है?। खड़गे ने एक्स पर लिखा कि पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुँचाया है।

खड़गे ने आरोप लगाया कि बीजेपी-आरएसएस ने हर संवैधानिक संस्था को कमजोर कर, उनकी स्वायत्तता पर कड़ा प्रहार किया। चाहे वो जनमत चुराकर पिछले दरवाजे से सरकारें गिराना हो या एक-दलीय तानाशाही शासन जबरन लागू करना हो। इस दौरान, राज्यों के हकों की अनदेखी हुई है और संघीय ढांचे कमजोर हुए। उन्होंने कहा कि समाज में नफरत, धमकी और डर का वातावरण फैलाने की कोशिश लगातार जारी है। दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक व कमजोर वर्गों का शोषण लगातार बढ़ा है। इनके आरक्षण व बराबरी के अधिकार से वंचित रखने की साजिश जारी है। मणिपुर की ना थमने वाली हिंसा भाजपा की प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा सबूत है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने लिखा कि बीजेपी-आरएसएस ने देश के GDP विकास दर को 5-6% की आदत डाल दी, जो वढअ के दौरान 8% औसतन हुआ करता था। सालाना 2 करोड़ नौकरियों का वादा के बजाय युवाओं से करोड़ों नौकरियाँ छीनी। महँगाई से जनता की बचत 50 सालों में सबसे कम और आर्थिक असमानता 100 सालों में सबसे अधिक कर दी। नोटबंदी, गलत GST, अनियोजित लॉक-डाउन और असंगठित क्षेत्र पर हथौड़ा चलाकर करोड़ों का भविष्य बर्बाद किया।

उन्होंने दावा किया कि मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, डिजिटल इंडिया, नमामि गंगे, 100 स्मार्ट सिटीज सब फेल हुए। रेलवे का बंटाधार किया। केवल कांग्रेस-वढअ के बनाए गए Infra के फीते काटे। पिछले 11 वर्ष, मोदी सरकार ने संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही रगड़ने में गँवाए हैं! भाजपा ने अपनी ओर से प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों के शासन की सराहना की है। मोदी ने सोमवार को जोर देकर कहा कि उनके नेतृत्व में भारत न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन गया है, बल्कि जलवायु कार्रवाई और डिजिटल नवाचार जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक आवाज भी बन गया है।

भावनाओं को जरूरत से अधिक बहने की अनुमति नहीं दी जा सकती : हाईकोर्ट

इलाहाबाद, 09 जून। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट करने के लिए आरोपी अजीत यादव के खिलाफ दर्ज की गयी प्राथमिकी रद्द करने से मना कर दिया है।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि कथित पोस्ट भावनाओं में बहकर किया गया है। इस पर न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अनिल कुमार की खंडपीठ ने कहा, प्रधानमंत्री के खिलाफ याचिकाकर्ता के पोस्ट में सरकार के मुखिया के खिलाफ अपमानजनक का प्रयोग किया गया है।

अदालत ने तीन जून को दिये निर्णय में कहा, भावनाओं को इस हद तक नहीं बहने दिया जा सकता कि इस देश के संवैधानिक अधिकारियों के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का उपयोग कर उन्हें बदनाम किया जाए। यह संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत अधिकार का प्रयोग कर प्राथमिकी में हस्तक्षेप करने का उचित मामला नहीं है, इसलिए इस याचिका को खारिज किया जाता है। याचिकाकर्ता अजीत यादव ने फेसबुक पर कथित रूप से तीन पोस्ट किये थे जिन्हें लेकर उसके खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इन पोस्ट में प्रधानमंत्री के लिए कई अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है।

प. बंगाल में कोविड की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं : ममता बनर्जी

कोलकता, 09 जून। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि राज्य में कोविड-19 की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। बनर्जी ने यह बयान कोरोना वायरस के एक और प्रकोप से निपटने के लिए राज्य की तैयारियों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करने के बाद दिया उन्होंने कहा, आधिकारिक जानकारी के अनुसार, राज्य में कोविड की स्थिति को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा। बैठक में मुख्य सचिव मनोज पंत, स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, कोलकाता नगर निगम समेत नगर निकायों के प्रतिनिधि और पंचायत विभाग के अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, बैठक में हमने तैयारियों का जायजा लिया। उम्मीद है कि महामारी कभी वापस नहीं आएगी। हमें सतर्क रहना होगा, दहशत नहीं फैलाएं। उन्होंने कहा, फेफड़ों और सीने में संक्रमण या कुछ अन्य बीमारियों से ग्रस्त लोगों को अधिक सतर्क रहना होगा। कभी-कभी, उम्र भी एक कारक होती है। इन दिनों, खांसी और सर्दी के मामलों में भी, हम उन्हें कोविड के रूप में देखना शुरू कर देते हैं।

बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार जनता के साथ थी, है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में अपेक्षित बुनियादी ढांचा मौजूद है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, सोमवार सुबह तक पश्चिम बंगाल में कोविड-19 के 747 मरीज उपचाराधीन थे तथा एक मरीज की मौत हो गई।

नक्सलियों द्वारा लगाए गया प्रेशर बम फटने से एएसपी शहीद

छत्तीसगढ़, 09 जून। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बताया कि सोमवार को सुकमा जिले में संदिग्ध माओवादियों द्वारा लगाए गए एक विस्फोटक उपकरण के फटने से एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की मौत हो गई। विस्फोट में दो पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए।

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सोमवार को नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम में विस्फोट होने से एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक की मौत हो गई तथा दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, पुलिस अधिकारी आकाश राव गिरपुंजे और कोंटा के उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी)भानुप्रताप चंद्राकर और निरीक्षक (थाना प्रभारी कोंटा) सोनल गवला, जिले के कोंटा क्षेत्र में एक अर्थ-मूवर मशीन को नक्सलियों द्वारा आग लगाने की सूचना मिलने के बाद आज सुबह जवानों के साथ पैदल मौके पर जा रहे थे। इसी दौरान कोंटा-एराबोर मार्ग पर डोंड्रा गांव के पास नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम (बारूदी सुरंग) में विस्फोट हुआ, जिससे एएसपी आकाश राव, चंद्राकर और गवला घायल हो गए। उन्होंने बताया कि तीनों घायल पुलिस कर्मियों को प्रारंभिक उपचार के लिए कोंटा अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान गिरिपुंजे ने दम तोड़ दिया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विस्फोट में एएसपी की मौत पर दुख जताया और कहा कि नक्सलियों को इस घटना के परिणाम भुगतने होंगे। मुख्यमंत्री साय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सुकमा जिले के कोंटा में नक्सलियों द्वारा किये गये आई ई डी विस्फोट में एएसपी आकाश राव गिरपुंजे के बलिदान की सूचना मिली जो अत्यंत दुखद है। मैं उनके बलिदान को नमन करता हूं। इस कायरतापूर्ण हमले में कुछ अन्य अधिकारी व जवानों के भी घायल होने की खबर है।

अधिकारियों को घायलों के समुचित इलाज हेतु निर्देश दिए हैं। साय ने कहा, छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षा बलों एक बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं और उसमें सुरक्षा बलों को लगातार सफलता मिल रही है।

इसी से बौखला कर नक्सली इस तरह की कायराना करतूत को अंजाम दे रहे हैं। नक्सलियों को इसका परिणाम भुगतना होगा। वह दिन अब ज्यादा दूर नहीं जब छत्तीसगढ़ से इनका अस्तित्व ही समाप्त कर दिया जायेगा।

राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर बम में विस्फोट से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (कोंटा क्षेत्र) आकाश राव गिरीपुंजे गंभीर रूप से घायल हो गए और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। शर्मा गृह विभाग भी संभालते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलियों को हिंसा त्याग कर मुख्यधारा में शामिल होना चाहिए और समाज के विकास में योगदान देना चाहिए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 42 वर्षीय आकाश राव, रायपुर जिले के निवासी थे और राज्य पुलिस में 2013 बैच के अधिकारी थे।

बिहार के चुनावी रण में उतरने की तैयारी में आप

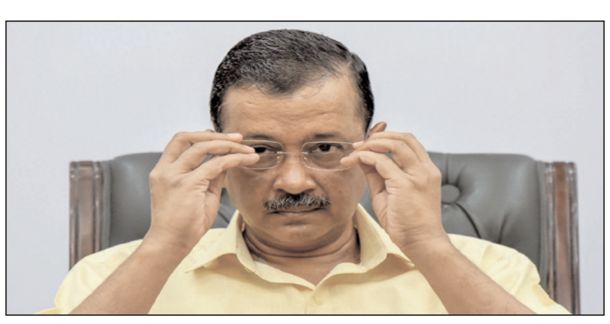

नई दिल्ली, 09 जून। आम आदमी पार्टी (आप) इस साल के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेगी। इसके अलावा पार्टी सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रही है। बिहार विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले अरविंद केजरीवाल की अगुआई वाली पार्टी राज्य में अपनी शुरूआत करने के लिए जमीन तैयार कर रही है। हालाँकि, पार्टी, जिसने हाल ही में संसद के विशेष सत्र की मांग के लिए 16 अन्य इंडिया ब्लॉक घटकों के साथ हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक अलग पत्र भेजा, ने आरजेडी, कांग्रेस और वाम दलों के महागठबंधन में शामिल न होने का फैसला किया है। आम आदमी पार्टी राज्य में पार्टी कार्यकताओं को संगठित करने और मतदाताओं तक दिल्ली विकास मॉडल पहुँचाने के लिए बिहार में भी केजरीवाल अभियान चला रही है। आप के बिहार प्रदेश अध्यक्ष राकेश यादव सात चरणों वाली इस यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसकी शुरूआत अप्रैल में हुई थी और यह राज्य के अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र को कवर कर चुकी है। आप के बिहार प्रभारी अजेश यादव ने कहा कि बिहार के हर गांव के लोग दिल्ली में हैं और उन्होंने देखा है कि आप सरकार ने शिक्षा और स्वास्थ्य से लेकर बुनियादी ढांचे तक के क्षेत्रों में कितना विकास किया है। पूर्वांचल में आप की अच्छी पकड़ है। पार्टी कार्यकर्ताओं के अलावा बिहार की आम जनता भी चाहती है कि हम चुनाव लड़ें। इसलिए हम चुनाव की तैयारी कर रहे हैं और राज्य में संगठन को मजबूत कर रहे हैं। यादव ने कहा कि गठबंधन के लिए आरजेडी और कांग्रेस से संपर्क करने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने कहा, ?आप के पास अपनी संगठनात्मक ताकत और जनता का समर्थन है। स्थानीय पार्टी इकाई अकेले विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती है। इसलिए, हम बिहार की सभी 243 सीटों के लिए तैयारी कर रहे हैं। यादव ने दावा किया कि आप की राज्य के हर जिले और विधानसभा क्षेत्र में पहले से ही एक संगठनात्मक इकाई है और बूथ स्तर की इकाइयां भी जल्द ही काम करना शुरू कर देंगी।

आप दिल्ली में पूर्वांचली मतदाताओं से भी संपर्क कर रही है और उनसे अपील कर रही है कि वे अपने घरवालों को बताएं कि आप सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में क्या विकास सुनिश्चित किया है।

घर में लगी आग से झुलसकर मां-बेटे की मौत

बांदा। उत्तर प्रदेश में बांदा जिले की नरैनी कोतवाली क्षेत्र के देविन नगर मुहल्ले में रविवार रात घर में लगी आग से झुलसकर 24 साल की महिला और उसके नौ माह के बेटे की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी सोमवार को दी। नरैनी क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) कृष्णकांत त्रिपाठी ने सोमवार को बताया कि नरैनी कोतवाली क्षेत्र के देविन नगर मुहल्ले में रविवार की रात एक घर में अचानक आग लग गई, जिसमें झुलसकर अनु उर्फ अनीता (24) और उसके नौ माह के बेटे पार्थ की मौत हो गई।

उन्होंने बताया कि मां-बेटे के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर हादसे की जांच शुरू कर दी गई है।

आजमगढ़ में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दो छात्राओं की मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के गंभीरपुर क्षेत्र में सोमवार सुबह तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दो छात्राओं की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि गंभीरपुर थानाक्षेत्र में आजमगढ़-वाराणसी मुख्य मार्ग पर आजमगढ़ की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने आंचल यादव (21) और अंशिका यादव (20) नामक छात्राओं को कुचल दिया।

उन्होंने बताया कि इस घटना में गंभीर रूप से घायल दोनों छात्राओं को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल ले जाया गया।

एपी मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करे: 9199355950

गरीबी के साथ आर्थिक असमानता दूर करने का लक्ष्य हो

-ललित गर्ग

भारत एक ओर जहां लगातार तेज ग्रोथ करते हुए बीते दिनों जापान को पीछे छोड़ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना, तो वहीं उपलब्धियों का सिलसिला जारी है औ? दुनिया इसका लोहा मान रही है। अब एक और खुश करने वाली रिपोर्ट आई है, जो विश्व बैंक ने जारी की है, जिसमें भारत में अत्यधिक गरीबी में आई उल्लेखनीय कमी की रोशनी है। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2022-23 में यह दर 5.3 प्रतिशत रह गई है, जो वर्ष 2011-12 में 27.1 फीसदी थी। रिपोर्ट के निष्कर्षों के अनुसार भारत ने लगभग एक दशक से कुछ कम समय में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला है, जो पैमाने और गति के मामले में उल्लेखनीय एवं ऐतिहासिक उपलब्धि कही जा सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन के ग्यारह स्वर्णिम वर्षों में गरीबी को कम करने के लिए सामूहिक कार्रवाई की जरूरत पर जोर दिया है, गरीबों के संघर्षों और उनकी चिंताओं को सुनकर, उन्हें गरीबी से बाहर आने में मदद करके और अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करके उन्होंने गरीब उन्मूलन की योजनाओं को जमीन पर उतारा है। मोदी सरकार ने गरीबी में रहने वाले लोगों और व्यापक समाज के बीच समझ और संवाद को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा है। उनकी दृष्टि में गरीबी को खत्म करना सिर्फ.गरीबों की मदद करना नहीं है - बल्कि हर महिला और पुरुष को सम्मान के साथ जीने का मौका देना है।

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही सरकारी पहलों, तेज आर्थिक सुधारों और जरूरी सेवाओं तक सबकी पहुंच का ही यह नतीजा है कि गरीबी दिन-ब-दिन तेजी से घट रही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार रोजगार में वृद्धि हुई है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी जबरदस्त प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआइ) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 में 16.4 प्रतिशत और 2022-23 में 15.5 प्रतिशत हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को गरीबी से उबारने के लिए केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों और सशक्तीकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर फोकस पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, जन-धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक उनकी पहुंच को बढ़ाया है।

डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल समावेश और मजबूत ग्रामीण बुनियादी ढांचे ने अंतिम जन तक लाभों की पारदर्शिता और तेज वितरण सुनिश्चित किया है। इससे 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी पर पार पाने में मदद मिली है। मोदी सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को संबल और आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं और उनका बेहतर क्रियान्वयन किया है। अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। पूरे भारत में अत्यधिक गरीबी को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, जिसमें प्रमुख राज्यों ने गरीबी में कमी लाने और समावेशी विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पांच बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार और बंगाल में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब लोग थे। इन पांच राज्यों ने ही 2022-23 तक गरीबी कम करने में दो-तिहाई का योगदान दिया है।

विश्व बैंक ने पाकिस्तान को आईना दिखाते हुए भारत से गरीबी उन्मूलन की योजनाओं एवं सोच से प्रेरणा लेने की बात कही है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की 45 प्रतिशत आबादी गरीबी में है। भारत की गरीबी दर 5.3 प्रतिशत और पाकिस्तान की 42.4 प्रतिशत है। इसका सबसे बड़ा कारण पाक अपना सारा ध्यान आतंकवाद एवं आतंकवादियों के पोषण पर देता है, गरीबी दूर करना उसकी योजनाओं एवं नीतियों में दूर-दूर तक नहीं है। इसीलिये भारत ने वैश्विक मंचों पर पाक पर यह आरोप भी लगाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय सहायता का दुरुपयोग आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए कर रहा है। भारत ने विश्व बैंक और आईएमएफ जैसे संस्थानों से अनुरोध किया है कि वे पाक को दी जाने वाली सहायता की समीक्षा करें, क्योंकि इसका उपयोग आम लोगों के कल्याण के बजाय सैन्य खर्च और आतंकवादी गतिविधियों में हो रहा है। हाल के पाहलगाम हमले के बाद भारत ने इस मुद्दे को और जोरदार तरीके से उठाया, जिसमें उसने पाक के सैन्य बजट में 18 प्रतिशत वृद्धि और सामाजिक कल्याण पर कम खर्च को उजागर किया। गरीबी किसी व्यक्ति के मानवाधिकारों का हनन है। यह न केवल अभाव, भूख और पीड़ा का जीवन जीने की ओर ले जाती है, बल्कि मौलिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं के आनंद का भी बड़ा अवरोध है। पाक में यही स्थितियां देखने को मिल रही है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। निश्चित रूप से इस उपलब्धि में विभिन्न कल्याण कार्यक्रमों मसलन आर्थिक विकास और ग्रामीण रोजगार योजनाओं की बड़ी भूमिका रही है। निस्संदेह, इसने सबसे गरीब तबके के लोगों की आय बढ़ाने में मदद की है। निश्चित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में सुधार, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण, बिजली, शौचालयों और आवास तक इस तबके की पहुंच बढ़ाने जैसी पहल ने ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में जीवन की गुणवत्ता बेहतर बनाने में योगदान दिया है। लेकिन जहां हम गरीबी उन्मूलन में मिली सफलता पर आत्ममुग्ध हैं तो वहीं समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। गरीबी-अमीरी के बीच के बढ़ते फासले को कम करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। पिछले साल जारी की गई विश्व असमानता रिपोर्ट 2022 से पता चलता है कि भारत में शीर्ष एक प्रतिशत लोगों की संपत्ति में बड़ा उछाल आया है। वे लोग देश की चालीस फीसदी संपत्ति नियंत्रित करते हैं।

भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। अब तक यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा बनी रही है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए थी। एक बड़ा प्रश्न था कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? गांधी और विनोबा ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए ह्यसर्वोदयह्व की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया था। ह्यगरीबी हटाओह्व में गरीब हट गए। अब तक जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते थे, वे सत्ता प्राप्त कर सकते थे। लेकिन अब मोदी सरकार गरीबी उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयत्न कर रही है। मोदी सरकार की तकनीकी प्रेरित सेवाओं में उछाल के चलते, वर्ष 2000 के बाद विकास मॉडल ने गरीब वर्ग को लाभान्वित किया है। निर्विवाद रूप से सामाजिक न्याय के लिये गरीबी कम करने के साथ, कमजोर तबकों के लिये सम्मान, समानता और नीतियों में लचीलापन जरूरी है। वास्तव में गरीबी मुक्त भारत का लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब सरकार की कल्याणकारी नीतियां न केवल उन्हें गरीबी के दलदल से बाहर निकालें, बल्कि उन्हें स्वावलंबी भी बनाएं। आर्थिक कल्याणकारी नीतियों का मकसद मुफ्त की रेवड़ियां बांटना न होकर उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करना होना चाहिए। तभी गरीबी का कुचक्र स्थायी रूप से कम किया जा सकता है।

एक ही झूठ को बार बार दोहराने से वह सच नहीं हो जाता

अशोक भाटिया

यह काफी पुरानी कहावत है कि एक झूठ को सौ बार बोला जाए तो वह सच लगने लगता है। सोशल मीडिया के जमाने में यह बात और भी सही साबित हो रही है। फर्जी खबरों से परेशान होकर गूगल और फेसबुक ने वादा किया है कि वे इस समस्या से निपटने के प्रयास कर रहे हैं। मगर सवाल यह है कि क्या यह वाकई एक समस्या है और क्या लोग वाकई इतने भोले-भाले होते हैं कि झूठ को बार-बार बोलने से उस पर यकीन करने लगें?

कुछ अध्ययनों से तो लगता है कि सचमुच ऐसा ही होता है। यू.एस. के एक पत्रकार क्रेग सिल्वरमैन ने कुछ ऑनलाइन झूठी खबरों का विश्लेषण करने पर पाया कि झूठी खबरों को ज्यादा तवज्जो मिलती है बनिस्बत उन आलेखों के जो इन खबरों का पदार्फाश करने की कोशिश करते हैं।

शायद आपको लगे कि आप ऐसी झूठी खबरों के जाल में नहीं फंस सकते। मगर 1940 में किए गए एक अध्ययन का निष्कर्ष था कि ह्लकोई अफवाह जितनी ज्यादा बार कही जाए, वह उतनी ही संभव लगने लगती है।ह्व इसका मतलब है कि कोई झूठ सिर्फ प्रसार के दम पर लोगों के विचारों और अभिमतों को प्रभावित कर सकती है।

इसके बाद 1977 में एक और अध्ययन ने इसी बात को थोड़ा अलग ढंग से प्रस्तुत किया था। यूएस के कुछ शोधकर्ताओं ने कॉलेज के विद्यार्थियों से किसी वक्तव्य की प्रामाणिकता को लेकर पूछताछ की। उन्हें बताया गया था कि वह वक्तव्य सही भी हो सकता है और गलत भी। शोधकर्ताओं ने पाया कि यदि उसी वक्तव्य को कुछ दिनों बाद फिर से दोहराया जाए तो इस बात की संभावना बढ़ती है कि विद्यार्थी उस पर यकीन करने लगेंगे।

वर्ष 2015 में वान्डरविल्ट विश्वविद्यालय (टेनेसी) की लिजा फेजियो ने एक अध्ययन में देखा कि चाहे विद्यार्थी जानते हों कि कोई कथन गलत है, मगर यदि उसे दोहराया जाए, तो काफी संभावना बनती है कि वे उस पर विश्वास कर लेंगे। फेजियो का कहना है कि झूठी खबरें लोगों को तब भी प्रभावित कर सकती हैं जब वे जानते हैं कि वह झूठी है। वही खबर या वही सुर्खियां बार-बार पढ़ने पर लगने लगता है कि शायद वह सच है। लोग प्रायः जांच करने की कोशिश भी नहीं करते। मसलन, हाल में किए गए एक अध्ययन में यूएस के हाई स्कूल छात्रों को एक तस्वीर दिखाई थी। इसमें बताया गया था कि दुर्घटना के बाद फुकुशिमा दाइची परमाणु बिजली घर के आसपास पौधों पर विकृत फूल उग रहे हैं। जब यह पूछा गया कि क्या वह तस्वीर बिजली घर के आसपास की स्थिति का प्रमाण माना जा सकता है, तो मात्र 20 प्रतिशत छात्रों ने ही इस पर शंका जाहिर की जबकि 40 प्रतिशत ने तो माना कि यह स्पष्ट प्रमाण है। तस्वीर के साथ यह नहीं बताया गया था इसे प्रस्तुत किसने किया है।

कुछ अध्ययनों से यह भी पता चला है कि आजकल लोग सर्च इंजिन्स पर काफी भरोसा करते हैं और उसमें भी जो पहली प्रविष्टि होती है उसे ही सच मान लेते हैं।

ऐसी स्थिति में आलोचनात्मक सोच विकसित करने का महत्व बहुत बढ़ जाता है अन्यथा हम झूठ और सच का फैसला किए बगैर अफवाहों के जंगल में हाथ-पांव मारते रहेंगे।

हिटलर के युद्ध विशेषज्ञ गोएबल्स ने भी यही दर्शन इस्तेमाल किया था। इसलिए हिटलर जीत नहीं पाया, लेकिन हिटलर के बयान में सच्चाई लग रही थी। राहुल गांधी के बारे में भी यही बात कही जा सकती है। राहुल गांधी एक ही बात को बार-बार झूठ बोलने के आदी हो गए हैं और वह हर चुनाव हार जाते हैं और अभी भी भाजपा के खिलाफ आरोप लगाते रहते हैं। लेकिन वे किसी काम के नहीं हैं और लोग हंसते हैं। राहुल ने ताजा आरोपों में भाजपा पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि भाजपा ने हाल के चुनावों में एक बड़ा धोखा किया है और उन्होंने इसे उजागर करने का नाटक किया है। लेकिन चुनाव आयोग ने पारस्परिक रूप से उन पर आरोप लगाया है और दिखाया है कि उनके आरोप कितने झूठे और हास्यास्पद हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने राहुल को जवाब दिया है और वो भी अपने अंदाज में। उन्होंने कहा कि राहुल द्वारा अपने नवीनतम लेख में लगाए गए आरोप उनके फर्जी नैरेटिव का एक अकाउंट है। यह इस बात का संकेत है कि आगामी बिहार चुनाव में कांग्रेस और उसके सहयोगी दल किस तरह निराश होंगे। उन्होंने राहुल के हर फर्जी नैरेटिव पर नकेल कसी है और उनके द्वारा उठाए गए हर बिंदु का जवाब दिया है।

कांग्रेस चुनाव दर चुनाव हार रही है और हर बार कांग्रेस पार्टी किसी और को जिम्मेदार ठहराने के बजाय उसे जिम्मेदार ठहरा रही है। भारत की जनता ने इसे कई बार देखा है। लेकिन जेपी नड्डा को जाने दो। वह एक प्रतिद्वंद्वी है, लेकिन चुनाव आयोग ने खुद राहुल के आरोपों को निराधार बताया है और आयोग किसी का गुलाम नहीं है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि क्या राहुल गांधी भाजपा के खिलाफ अपने आरोपों को स्वीकार करेंगे। आयोग ने खुद आरोपों से इनकार किया है। सवाल ये है कि क्या राहुल अपनी बात मानेंगे या फिर वो ये भी कहेंगे कि ये भी विपक्ष का खेल है, यानी कांग्रेस विपक्ष का. राहुल गांधी के पास लोगों को देने के लिए कोई आकर्षक कार्यक्रम और कोई घोषणा नहीं है। उनके पास लोगों को बनाए रखने की कोई योजना नहीं है। कांग्रेस के पास पैसा नहीं है। नेताओं के पास बहुत पैसा है लेकिन पार्टी के पास एक रुपया भी नहीं है। उनके पास पार्टी के कार्यक्रम के बिलों का भुगतान करने के लिए भी पैसे नहीं हैं। ऐसे में राहुल बीजेपी पर आरोप लगाते हैं, जो उनके हौसले की पराकाष्ठा है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मैच फिक्सिंग के मुद्दे पर उस समय कड़ी फटकार लगाई है जब मतदाता ऐसा फैसला देते हैं जिससे वे सहमत नहीं हैं। राहुल ने एक राष्ट्रीय दैनिक में एक लेख में अपने सामान्य आरोप लगाए और आयोग ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। चुनाव आयोग ने कहा है कि महाराष्ट्र की मतदाता सूची पर लगाए गए आरोप न सिर्फ पूरी तरह झूठे हैं बल्कि कानून के शासन का अपमान भी हैं। कांग्रेस पार्टी को अपने जवाब में, आयोग ने कहा कि उसने इस पर बार-बार प्रतिक्रिया दी है और यह दस्तावेज अभी भी आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। लेकिन राहुल को इसे न देखने और इससे दूर होने की आदत है। इसके अलावा, उनका मानना है कि चूंकि वह एक क्राउन प्रिंस हैं, इसलिए पार्टी में उनसे कोई नहीं पूछ सकता। उन्होंने कहा, ȁयह आरोप लगाना कि चुनाव आयोग से समझौता किया गया है, लाखों आयोग कर्मचारियों को गुमराह करने का प्रयास है। राहुल के आरोपों पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जवाब दिया है। कांग्रेस पार्टी के पास आगामी विधानसभा चुनावों में लोगों को देने के लिए कुछ भी नहीं है और इसलिए यह झूठ बोलकर खुद को झूठा सहानुभूति देने का उनका प्रयास है। राहुल इससे पहले हरियाणा में हार गए थे। इसके बाद वह दिल्ली विधानसभा चुनाव हार गए थे। उसके बाद वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव हार गए और हर बार वह वही रिकॉर्ड खेल रहे हैं, इसलिए पिछले बिहार विधानसभा चुनाव में वह आज चुनाव आयोग की तरह होंगे। लोग कांग्रेस को तभी वोट देंगे जब वे पार्टी का काम देखेंगे, पार्टी को पुनर्जीवित करेंगे, पार्टी को गतिशील तरीके से चलाएंगे। लेकिन इसके अलावा, राहुल केवल भाजपा के खिलाफ झूठे आरोप लगा रहे हैं और यह निश्चित है कि इससे एक और हार होगी।

राहुल ने पहले भी ऐसा ही किया था और महाराष्ट्र में मिट्टी खा चुके थे। क्योंकि यह लोग थे जिन्होंने उन्हें मिट्टी खिलाई थी। राहुल आज भी नेहरू और इंदिरा गांधी के दिनों में जी रहे हैं, जिनके समय में एक-दूसरे से झूठा डर था और लोगों ने कांग्रेस को वोट दिया था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज सारा मीडिया जाग चुका है और सोशल मीडिया अब एडवांस हो चुका है, इसलिए चाहे किसी के पास लोगों से कितना भी झूठ क्यों न हो। कांग्रेस की त्रासदी यह है कि राहुल इसे नहीं समझते हैं। लेकिन राहुल के आरोपों को लेकर और भी गंभीर बात यह है कि उन्होंने मोदी की आलोचना करते हुए पाकिस्तान की भाषा बोली है। यह वास्तव में निंदनीय है। उन्होंने कहा, "यह बहुत गंभीर मामला है कि महाराष्ट्र सरकार की प्यारी बहन योजना के लाभार्थियों का अपमान किया गया है। राहुल इतना कुछ कह सकते हैं और आरोप लगा सकते हैं क्योंकि हमारे यहां लोकतंत्र है। फिर भी राहुल मोदी सरकार पर विपक्ष की आवाज दबाने का आरोप लगाने के लिए स्वतंत्र हैं। अब जब राहुल को आयोग ने ही आपसी सहमति दे दी है, तो उन्हें उम्मीद है कि वह कुछ दिनों तक चुप रहेंगे।

जब चौथा स्तंभ असुरक्षित हो, तो लोकतंत्र कितना मजबूत रहेगा?

-सुरेश गांधी

लोकतंत्र के तीन संवैधानिक स्तंभः विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिकाः संविधान से तय हैं। लेकिन चैथा स्तंभः पत्रकारिताः एक ऐसा प्रहरी है, जिसकी जिम्मेदारी न केवल सूचना देना है, बल्कि सत्ता से जवाब भी मांगना है। विडंबना देखिए, जो आवाज हर पीड़ित की आवाज बनती है, वही आवाज आज अपनी सुरक्षा के लिए चीख रही है। सत्ता को आइना दिखाने वाली कलम अब खुद बेआवाज, बेसहारा और बेपरवाह सिस्टम की शिकार होती जा रही है। पिछले 5 वर्षों में भारत में 156 पत्रकारों पर हमले, जिनमें 30 से अधिक की मौत। 2023 में भारत प्रेस की स्वतंत्रता में 161 देशों में 159वें स्थान पर रहा। 80 फीसदी पत्रकार ठेके, पार्ट टाइम या फ्रीलांस पर, जिन्हें कोई संस्थागत सुरक्षा नहीं। कोविड काल में अकेले उत्तर प्रदेश, बिहार, एमपी में 9000 पत्रकारों को नौकरी से निकाला गया, जिनमें से सिर्फ 600 को आंशिक मुआवजा मिला। बता दें, विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को सुरक्षा और अन्य सुविधाएं प्रदान करने के पीछे मुख्य कारण उनकी संवैधानिक भूमिका और स्वतंत्रता की रक्षा करना है। इन अंगों की निष्पक्षता और स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिए आवश्यक हैं। जबकि पत्रकार लोकतंत्र के एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, उनकी सुरक्षा और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकारों, मीडिया मालिकों और समाज की होती है, बावजूद इसके उसे कोई सुविधा, सुरक्षा नहीं है, जबकि सियासी पार्टियां सार्वजनिक मंचों से कहते नहीं अघाते पत्रकार देश के चैथा स्तंभ है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है जब पत्रकार देश के चैथा स्तंभ है तो न्याय पालिका, कार्यपालिका व विधायिका की तर्ज पर उन्हें सुविधाएं क्यों नहीं दी जाती?

हाल यह है कि सुविधाएं तो दूर जब कभी भी पत्रकार तथ्यों के साथ इन तीनों स्तंभों की काले कारनामे उजागर करने की कोशिश करती है तो संबंधित पत्रकार को किसी न किसी बहाने उत्पीड़न किया जाता है। हाल यह है कि कलम जो कभी सच की मशाल थी, अब सुरक्षा के लिए गुहार बनती जा रही है... मतलब साफ है जब समाज का प्रहरी खुद असहाय हो जाए, तो अन्याय निर्भीक हो जाता है। सवाल उठाना, सत्ता से जवाब मांगना और जनता के दर्द को आवाज देना, पत्रकार का धर्म है। परंतु अगर कलम टूटने लगे, और उसके लिए कोई हाथ आगे न बढ़े, तो यह केवल पत्रकारिता का नहीं, लोकतंत्र का संकट है। या यू कहे ह्लजब आवाजें दम तोड़ने लगें और सन्नाटा साजिश बन जाए, तब जरूरी है कि कलम की रक्षा, लोकतंत्र की रक्षा बन जाए...ह्व समाजसेवी प्रदीप सिंह कहते है पत्रकार केवल रिपोर्टर नहीं होते, वे लोकतंत्र की धड़कन होते हैं। जब वही असहाय हो जाए, तो सत्ता की जवाबदेही खत्म हो जाती है। समय आ गया है कि सरकारें सिर्फ पत्रकारिता के सहारे सत्ता तक न पहुंचें, बल्कि उसके अस्तित्व की रक्षा भी करें। ह्लयदि लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसकी आंख-कान और आवाजः पत्रकारों को बचाना ही होगा।ह्व उनका कहना है कि भारत में लोकतंत्र की पहचान केवल चुनावों, संसद या संविधान से नहीं होती। इसकी असली आत्मा हैः स्वतंत्र पत्रकारिता, जिसे अक्सर ह्यचैथा स्तंभह्व कहा जाता है। मगर विडंबना देखिए, यह स्तंभ आज न केवल दरक रहा है, बल्कि उसकी नींव ही खिसकाई जा रही हैः सरकारी उपेक्षा, संस्थागत बेरुखी और सामाजिक असंवेदनशीलता के द्वारा।

आज यह सवाल बेमानी नहीं कि जब न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका को हर प्रकार की सरकारी सुरक्षा और सुविधाएं प्राप्त हैं, तो पत्रकारः जो इन तीनों की निगरानी और आलोचना करता हैः उसे सुरक्षा क्यों नहीं? जब पत्रकार मारा जाता है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं मरताः सच की उम्मीद, जनता की आवाज और लोकतंत्र की सांस दम तोड़ती है। सरकारें अगर अब भी नहीं जागीं, तो अगला खतरा सिर्फ पत्रकारों का नहीं होगा, हम सबका होगा। काशी पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष अत्री भारद्वाज कहते है ह्लजब कलम खामोश हो जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा भी मर जाती हैह्व पत्रकारों की सुरक्षा नहीं, तो जनता की सच्चाई भला कैसे उजागर होगी? भारतीय संविधान में पत्रकारिता को अलग से ह्लचैथे स्तंभह्व के रूप में मान्यता नहीं दी गई है, लेकिन अनुच्छेद 19(1)(एं) के अंतर्गत ह्लअभिव्यक्ति की स्वतंत्रताह्व का अधिकार प्रेस की स्वतंत्रता का मूल आधार है। लेकिन समस्या यह है कि न तो भारतीय संसद ने अब तक ह्लप्रेस स्वतंत्रता कानूनह्व पारित किया है। न ही पत्रकारों को न्यायपालिका या विधायिका की तरह संवैधानिक संरक्षण मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार प्रेस की भूमिका की सराहना की है, लेकिन उनके लिए कोई संस्थागत सुरक्षा तंत्र नहीं बनाया गया। उनका कहना है कि प्रेस की आजादी को लोकतंत्र की आत्मा बताया गया। लेकिन अब सवाल यह हैः जब न्यायपालिका खुद प्रेस को लोकतंत्र का प्राण कहती है, तो प्राण की रक्षा का कोई तंत्र क्यों नहीं है? ह्लआवाज जो लोकतंत्र की सांस थी, अब चीख बनती जा रही हैह्व काशी पत्रकार संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरुण मिश्रा ने कहा, लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य केवल चुनावों या संसद की बहसों में नहीं, बल्कि उस निर्भीक पत्रकार की लेखनी में है जो तमाम दबावों, धमकियों और प्रलोभनों के बावजूद जनता के हक की बात करता है।

पत्रकार लोकतंत्र का दर्पण हैं, और जब यह दर्पण टूटता है तो समाज का चेहरा विकृत हो जाता है। आज यह प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, ठोस और नीतिगत हैः क्या भारत का लोकतंत्र पत्रकारों के बिना जीवित रह सकता है? पत्रकार की सुरक्षा केवल एक पेशेवर की नहीं, बल्कि एक संपूर्ण लोकतांत्रिक प्रणाली की सुरक्षा है। यदि वह असुरक्षित रहेगा, तो सत्ता निरंकुश होगी, विपक्ष बेजुबान होगा और जनता गुमराह। अब वक्त है कि भारत ह्लमीडिया फ्रेंडलीह्व नहीं बल्कि ह्लपत्रकार-सुरक्षित लोकतंत्रह्व बने। कलम की स्याही जब खून से रंगने लगे तो यह केवल खतरा नहीं, लोकतंत्र का मातम होता है। सीनियर पत्रकार राधारमन चित्रांसी ने कहा कि लोकतंत्र की परिभाषा अक्सर विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के त्रिकोणीय संतुलन से की जाती है, लेकिन भारत जैसे विशाल और विविधता भरे राष्ट्र में यह संतुलन अधूरा है जब तक उसमें पत्रकारिताः चैथा स्तंभः की दमदार भूमिका शामिल न हो। पत्रकार वही हैं जो लोकतंत्र को सांस देते हैं, जनभावनाओं को स्वर देते हैं, और सत्ता के हर गलियारे में सवाल लेकर पहुंचते हैं। मगर सवाल ये है कि क्या यह चैथा स्तंभ अब खुद ही वेंटिलेटर पर नहीं है? विधायकों, न्यायधीशों और अधिकारियों को मिलने वाली सुरक्षा, वेतन, पेंशन, विशेषाधिकार और भत्तों की लंबी सूची है। वहीं पत्रकारों को जो कुछ मिलता है, वह हैः निश्चित वेतन का अभाव, पेंशन का कोई वजूद नहीं, बीमा की सुविधा नहीं, और नौकरी की गारंटी तो दूर की बात है। जब विधायिका सवालों के घेरे में होती है, कार्यपालिका का अमल ढीला पड़ता है या न्यायपालिका मौन हो जाती हैः तब भी पत्रकार ही होते हैं जो जनता के भरोसे को थामे रहते हैं। पर क्या पत्रकारों के जीवन की कोई कीमत नहीं? क्या लोकतंत्र केवल सत्ता की कुर्सियों तक सीमित है?

काशी पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष राजनाथ तिवारी ने कहा, चैथा स्तंभ अगर कमजोर होगा, तो बाकी तीन स्तंभ भी टिक नहीं पाएंगे। पत्रकारों की सुरक्षा केवल उनकी नहीं, बल्कि पूरे लोकतंत्र की सुरक्षा है। यह कोई सुविधा नहीं, बल्कि संवैधानिक दायित्व है। सरकारें, न्यायपालिका और मीडिया संस्थान अब चुप नहीं रह सकते। पत्रकार सुरक्षाः कानून नहीं, अब कर्तव्य है. लोकतंत्र की बुनियाद चार स्तंभों पर टिकी होती हैः विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और पत्रकारिता। पहले तीनों स्तंभों को भारतीय संविधान ने संस्थागत संरक्षण, संसाधन और सुरक्षा दी है। परंतु पत्रकारिता, जो चैथा स्तंभ मानी जाती है, आज उपेक्षा, असुरक्षा और अनिश्चितता की गर्त में है। विधायकों को वेतन और पेंशन, न्यायधीशों को सुरक्षा और विशेषाधिकार, अधिकारियों को भविष्य निधि और घरः पर पत्रकारो को क्यों नहीं? इसका जवाब अब सरकार को देना ही होगा। न तयशुदा वेतन, न बीमा, न नौकरी की गारंटी, न पेंशन। पत्रकारों की स्थिति असंगठित मजदूरों से भी बदतर होती जा रही है। वह व्यक्ति जो सत्ता की नाक में दम करता है, जब खुद संकट में आता है तो उसकी सुध लेने वाला कोई नहीं होता। वाराणसी प्रेस क्लब के अध्यक्ष चंदन रुपानी कहते हे जो लोकतंत्र की आंख और कान है, अगर वही खतरे में है, तो पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था पर संकट है। पत्रकारिता को मजबूत करने के लिए अब शब्द नहीं, संकल्प चाहिए। वरना वह दिन दूर नहीं जब पत्रकारिता एक पेशा नहीं, आत्महत्या का पर्याय बन जाएगी। लोकतंत्र के तीन संवैधानिक स्तंभः विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिकाः संविधान से तय हैं। लेकिन चैथा स्तंभ, पत्रकारिताः एक ऐसा प्रहरी है, जिसकी जिम्मेदारी न केवल सूचना देना है, बल्कि सत्ता से जवाब भी मांगना है। विडंबना देखिए, जो आवाज हर पीड़ित की आवाज बनती है, वही आवाज आज अपनी सुरक्षा के लिए चीख रही है। सत्ता को आइना दिखाने वाली कलम अब खुद बेआवाज, बेसहारा और बेपरवाह सिस्टम की शिकार होती जा रही है। काशी पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष सुभाष सिंह ने कहा कि वाराणसी से प्रधानमंत्री चुनकर संसद भेजे जाते हैं, लेकिन इसी शहर में फील्ड पर काम कर रहे पत्रकार आज अपनी सुरक्षा की भीख मांग रहे हैं। अगर आज पत्रकार की हत्या केवल लोकल क्राइम मान ली जाती है, तो कल ये लोकतंत्र की हत्या का रास्ता बन सकता है। लोकतंत्र को जीवित रखना है, तो उसे आवाज देने वालों को बचाना होगा। ह्लजो कलम दूसरों के लिए न्याय मांगती थी, अब वही कलम अपनी जिंदगी की भीख मांग रही है। क्या कोई सुनेगा इस दर्द को? काशीः जहाँ से देश की राजनीति दिशा पाती है, आज वही शहर एक ऐसा सवाल पूछ रहा है, जिसे टाला नहीं जा सकताः क्या पत्रकार की जान की कीमत महज एक बुलेटिन या स्क्रिप्ट जितनी है? जब न्याय मांगने वाला खुद अन्याय का शिकार हो, जब आवाज उठाने वाला गुमनाम मौत मर जाएकृतो समझिए, समाज केवल सूचना नहीं खो रहा, अपनी चेतना भी खो रहा है। चैथा स्तंभ अगर कमजोर हो गया, तो लोकतंत्र की बाकी तीन दीवारें भी ज्यादा दिन टिक नहीं पाएँगी। ह्लजब पत्रकार की मौत पर भी केवल एक कॉलम छपता है, तब समझिए लोकतंत्र की रगों में भी संवेदना नहीं रही। अब समय है कि चैथे स्तंभ को सिर्फ नमन नहीं, संरक्षण भी मिले।

जमीनी सच्चाइयां, जो सत्ता के दावों की पोल खोलती हैं

सच के साथ खड़ा होनाः अब जीवन जोखिम पर है, उदाहरण बहुत हैं और चैंकाते हैंः

बलिया (यूपी, 2021)ः भू-माफिया के खिलाफ रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकार राकेश सिंह को जिंदा जला दिया गया।

बिहारः पत्रकार चंदन तिवारी की हत्याः उसका गुनाह था कि वह मनरेगा में भ्रष्टाचार उजागर कर रहा था।

छत्तीसगढ़ः 2015 से अब तक 17 से अधिक ग्रामीण पत्रकार माओवादियों और पुलिस के बीच पिस चुके हैं।

मध्य प्रदेशः पत्रकार सुशील पांडे पर खनन माफिया का हमलाः आज तक न्याय नहीं।

इन मामलों में पीड़ित परिवारों को न कोई सरकारी सहायता मिली, न न्याय। केवल एक ठंडी सी पंक्तिः ह्लमामले की जांच जारी है...

संस्थागत बेरुखीः ह्यवो हमारा स्थायी कर्मचारी नहीं था

संक्रमण, चुनाव, प्राकृतिक आपदाओं से लेकर सांप्रदायिक तनाव तकः हर बार पत्रकार सबसे आगे रहते हैं। लेकिन जब संकट आता है, तो वही मीडिया संस्थान कहते हैंः वह हमारा स्थायी कर्मचारी नहीं था...जबकि सत्ता और रीडरशिप की रेस में प्रिंट, टीवी और डिजिटल सभी में पत्रकार की जान, परिवार और भविष्य सब दांव पर होता है, लेकिन संस्थानों की जवाबदेही लगभग नगण्य रहती है। ऐसे में सवाल यह है कि जब पत्रकार संस्थान के लिए काम करता है, तो उससे ब्रांड की रक्षा की उम्मीद की जाती है। लेकिन जब हमला होता है, तब वही संस्थान पलड़ा झाड़ लेते हैं। कोविड के दौरान जिन संस्थानों ने व्यूअरशिप से करोड़ों कमाए, उसमें कई प्रतिष्ठित मीडिया हाउसों ने बिना किसी सूचना के पत्रकारों को बिना किसी सूचना के बाहर निकाल दिया। न कोई बीमा, न मुआवजा, न ही पुनर्वास की कोई नीति। पत्रकारों को संस्थानों से सिर्फ. काम, सरकार से सिर्फ. वादे और समाज से सिर्फ.मौन मिलता है। काशी पत्रकार संघ के नवनिर्वाचित महामंत्री जितेन्द्र श्रीवास्तव कहते है आज देश में पत्रकारिता सिर्फ कलम की लड़ाई नहीं रह गई है, यह अब जान की बाजी बन गई है। जो घटनाएं हुई है उन मामलों में मामले की जांच जारी है जैसी सरकारी भाषा पीड़ित परिवारों की उम्मीदों का मजाक उड़ाती है। आज पत्रकारों से अपेक्षा की जाती है कि वो किसी भी हाल में ब्रांड इमेज की रक्षा करें, लेकिन जब संकट आता है, तो वही संस्थान उन्हें ठेके पर काम करने वाला कह कर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं। कोविड काल इसका क्रूरतम उदाहरण हैः हजारों पत्रकारों को नौकरी से निकाला गया। किसी को मुआवजा नहीं मिला, न बीमा, न भविष्य निधि। यह सिद्ध कर दिया गया कि पत्रकारिता सिस्टम के लिए अनिवार्य, पर खुद पत्रकार बेहद विवश हैं। एक पत्रकार की हत्या केवल एक व्यक्ति की मृत्यु नहीं होती, वह सच की हत्या होती है। वह लोकतांत्रिक विमर्श की मौत होती है। जब पत्रकार डरकर लिखेगा, तब जनता अंधेरे में जीएगी। और जब जनता अंधेरे में जीएगी, तो लोकतंत्र सिर्फ कागजों पर बचा रह जाएगा.

क्या संविधान पत्रकारों की रक्षा करता है?

अनुच्छेद 19(1)(ए) पत्रकारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, पर यह व्यवहारिक सुरक्षा नहीं देता। मतलब साफ है न कोई अलग पत्रकार सुरक्षा कानून है, न ही कोई स्वतंत्र न्यायिक आयोग। प्रेस कौंसिल आफ इंडिया जैसे संस्थान केवल ह्लसिफारिशह्व कर सकते हैं, उनके पास दंड देने का अधिकार नहीं। नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन के सामने पत्रकारों पर हमलों की सुनवाई लंबित रहती हैः फैसले नदारद। सुप्रीम कोर्ट भले प्रेस को लोकतंत्र की आत्मा मानता हो, लेकिन सरकारें उसे सुरक्षा देने में कंजूसी बरतती हैं।

कुछ राज्य सरकारों की पहल, लेकिन अधूरी

छत्तीसगढ़ की ग्रामीण पत्रकार सुरक्षा योजनाः अभी तक केवल कागजों में।

महाराष्ट्र की पत्रकार शहीद योजनाः न फंडिंग स्पष्ट, न प्रक्रिया।

झारखंड, ओडिशा ने प्रस्तावित पत्रकार सुरक्षा विधेयक तैयार किया, लेकिन पास नहीं किया।

अब क्या जरूरी है?

अब बात सुझावों की नहीं, व्यवस्था बदलने की है। सरकार, संस्थान और समाज को मिलकर निम्न कदम उठाने होंगेः

1. राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा कानून लाया जाए, जो पत्रकारों पर हमले को गैर-जमानती अपराध घोषित करे।

2. पत्रकार कल्याण कोषः हमले या मौत की स्थिति में पीड़ित परिवार को 10 लाख तक मुआवजा।

3. पत्रकार बीमा योजना लागू हो जिसमें सभी पंजीकृत और स्वतंत्र पत्रकार कवर हों।

4. स्थायी मान्यता नीतिः जिला स्तर तक काम करने वाले पत्रकारों को उचित वेतन और सुविधा के अलावा सेवा सुरक्षा नीति लागू की जाए।

5. पत्रकार न्याय आयोगः शिकायतों की स्वतंत्र जांच के लिए संवैधानिक निकाय। यानी स्वतंत्र पत्रकार सुरक्षा आयोग गठित किया जाए, जो हमलों की निगरानी और रिपोर्टिंग करे।

6ः आपदा, युद्ध, चुनाव और आपराधिक विषयों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को विशेष जोखिम भत्ता मिले

7ः मीडिया संस्थानों को कानूनी रूप से अपने पत्रकारों की सुरक्षा की जिम्मेदारी देनी चाहिए

कुछ कड़वे तथ्यः

भारत में 2023 तक 150 से अधिक पत्रकारों पर हमले, जिनमें 26 की हत्या। 85 फीसदी पत्रकार संविदा या फ्रीलांस पर, जिनके पास कोई बीमा, पेंशन या सुरक्षा गारंटी नहीं। 12,000 से अधिक पत्रकार कोविड के दौरान नौकरी से निकाले गए, मुआवजा केवल 7 फीसदी को। 40 फीसदी स्थानीय संवाददाता अपने संसाधनों से रिपोर्टिंग करते हैं, बिना संस्थागत सहयोग के। पंजाब-हरियाणा चुनावी व किसानों के मुद्दों पर रिपोर्टिंग में हिंसा की खबरे आई, लेकिन कोई अलग पत्रकार सुरक्षा पहल के बजाय लगातार उत्पीड़न हो रहा है। यह रवैया सिर्फ अमानवीय नहीं, बल्कि पेशेवर धोखा भी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पत्रकारों पर केस दर्ज होते रहते है। वाराणसी मंडल में 2020-23 तक कोविड के चलते 31 पत्रकारों की मृत्यु, जिनमें से केवल 5 को सरकारी सहायता मिली। यूपी प्रेस क्लब रिपोर्ट के अनुसार, 70 फीसदी पत्रकार किसी प्रेस मान्यता सूची में शामिल नहीं, फिर भी वे रोज जान जोखिम में डालते हैं।

काशी की जमीन से उठता एक कड़ा सवाल

यह शहर सिर्फ प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र नहीं, यह बुद्ध और तुलसी की नगरी भी हैः जहाँ विचार, प्रश्न और सत्य की परंपरा रही है। अगर यहीं के पत्रकार असुरक्षित हैं, तो सवाल पूरे लोकतंत्र की आत्मा पर खड़ा होता है। काशी, जहां ज्ञान की मशालें जलती हैं, वहीं से आज एक सवाल उठता हैकृक्या वह कलम, जो अंधेरे में सच की रोशनी देती है, अब खुद अंधेरे में क्यों डूबी है? वाराणसी, भदोही, बलिया, मऊ, गाजीपुर से लेकर लखनऊ, प्रयागराज तक पत्रकार आज केवल खबरें नहीं लिख रहे, बल्कि अपनी सुरक्षा की फरियाद भी कर रहे हैं। और दुर्भाग्य देखिए, उनकी आवाज... अखबारों में छपती है, लेकिन सरकारों के कानों तक नहीं पहुँचती। कहने का अभिप्राय है जब कलम ही असुरक्षित हो जाए, तो लोकतंत्र की सांसें रुकने लगती हैं. वाराणसी से बलिया तक, पत्रकारों की अनसुनी चीख लोकतंत्र के लिए चेतावनी है.

सरकारों की चुप्पीः लोकतंत्र के लिए खतरनाक संकेत

जब एक पुलिसकर्मी पर हमला हो, तो तत्काल कड़ी धाराओं में केस दर्ज होता है। किसी विधायक या अफसर को धमकी मिले, तो तत्काल सुरक्षा दी जाती है। पर जब एक पत्रकार पर हमला होता है तब एफआईआर दर्ज करने तक की हिम्मत थाने नहीं जुटा पाते। क्यों नहीं पत्रकारों के लिए भी ऑन ड्यूटी प्रोटेक्शन लॉ है? क्यों नहीं मीडिया कर्मियों के लिए पेंशन, बीमा और दुर्घटना मुआवजा जैसी आधारभूत योजनाएँ अनिवार्य की गई हैं? जबकि एक लोकतंत्र तभी स्वस्थ कहलाता है जब उसके प्रहरी सुरक्षित हों। और जब चैथा स्तंभ ही असुरक्षित हो जाए, तो सत्ता के पास यह कहने का नैतिक अधिकार नहीं रह जाता कि देश लोकतांत्रिक है। अब वक्त श्रद्धांजलि देने या सोशल मीडिया पर लिखने का नहीं, नीतिगत और कानूनी हस्तक्षेप का है। जब पत्रकार की मौत पर बस दो लाइन की खबर छपती है, तब लोकतंत्र की आत्मा रोती है।

गांव स्तर पर कानून-व्यवस्था के लिए पुलिस पाटील है प्रशासन व जनता के बीच अहम कड़ी : डॉ. पंकज भोयर

पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। गांव स्तर पर कानून व शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस पाटील प्रशासन और जनता के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु का कार्य करता है। यह वक्तव्य महाराष्ट्र के गृह (ग्रामीण), गृहनिर्माण, शालेय शिक्षण, सहकार व खनिकर्म राज्यमंत्री डॉ. पंकज भोयर ने सोमवार 9 जून 2025 को पालघर में आयोजित पुलिस पाटील कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर दिया।

जिलाधिकारी कार्यालय के नियोजन सभागृह में आयोजित इस कार्यशाला में राज्य के पहले जिले के रूप में पालघर को यह पहल करने का गौरव प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सांसद हेमंत सवरा, विधायक राजेंद्र गावित, विधायक हरीशचंद्र भोये, महाराष्ट्र पुलिस अकादमी नाशिक के विधी निदेशक संजय पाटील, जिलाधिकारी डॉ. इंदूराणी जाखड़, पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख, अपर पुलिस अधीक्षक विनायक नरले, अपर जिल्हाधिकारी भाऊसाहेब फटांगरे, निवासी उपजिल्हाधिकारी सुभाष भागडे सहित जिले के सभी पुलिस पाटील उपस्थित थे। डॉ. भोयर ने कहा कि कई वर्षों से पुलिस पाटील नाममात्र के मानधन (2,000 से 3,000 रुपये) में कार्य कर रहे थे। मुख्यमंत्री द्वारा अब इस मानधन को बढ़ाकर ?15,000 किया गया है, जो एक सराहनीय निर्णय है। साथ ही पुलिस पाटील के रिक्त 282 पदों को भी भर दिया गया है और बाकी पद भी शीघ्र भरे जाएंगे। उन्होंने कहा कि गांवों में अपराध के स्वरूप बदल रहे हैं, ऐसे

में पुलिस पाटील को सक्षम बनाना आवश्यक है। उन्हें अपराधों की प्राथमिक जानकारी होनी चाहिए और डिजिटल तकनीक में भी दक्षता लानी होगी। उन्होंने महिला पुलिस पाटिलों की सराहना करते हुए कहा कि वे भी पूरी निष्ठा से अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं, जो प्रेरणादायक है। डॉ. भोयर ने कहा कि पालघर में आयोजित यह कार्यशाला एक मॉडल के रूप में कार्य करेगी और जल्द ही पूरे महाराष्ट्र में ऐसी कार्यशालाओं की शुरूआत की जाएगी। उन्होंने सभी पुलिस पाटीलों से अपील की कि वे अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें। इस अवसर पर डॉ. भोयर ने नव निमार्णाधीन जिला पुलिस कारागृह का निरीक्षण भी किया और निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान पुलिस अधीक्षक यतीश देशमुख भी उपस्थित थे।

जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट कार्यकारिणी की पहली बैठक बडे उत्साह के साथ संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के फेनापाड़ा स्थित जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट कार्यालय में ट्रस्ट के संस्थापक/अध्यक्ष मंगेश लालमनी यादव की अध्यक्षता में बडे उत्साह के साथ संपन्न हुई। बतादें कि बैठक की शुरूआत ट्रस्ट के सदस्यों को ट्रस्ट के अध्यक्ष मंगेश यादव द्वारा पहचान-पत्र वितरण कर किया गया। मंगेश यादव ने उत्तरशक्ति के संवाददाता को जानकारी देते हुये कहा कि ट्रस्ट समाजहित को ध्यान में रखते हुये समाज के समग्र विकास के लिए शिक्षा के क्षेत्र में मेधावी छात्रों को आर्थिक सहायता के साथ जनहितकारी योजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। वहीं संगठन के विस्तार के लिए विचार विमर्श किया गया जिसमें सभी सदस्यों ने एकमत होकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विनोद यनगंदला, राकेश पाल, मनीष यादव, मुकेश चौबे, सुबाष पासवान, सत्यनारायण पासवान (टी सी), नितीश दुबे, अर्जुन सब्बानी, चिंटू नायक, राजू तुम्मा, प्रसाद जिनेगा, धीरेन्द्र पाल, शिवकरण पासवान, पवन यादव, जीवन येलदाडी समेत असंख्य लोग उपस्थित थे।

त्रिदिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव श्री वेंकटेश देवस्थान में संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दक्षिण मुंबई के फणस वाडी स्थित श्री वेंकटेश देवस्थान में त्रिदिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव गादी स्वामी श्रीनिवासाचार्य के सानिध्य में भव्य रूप से संपन्न हुआ। जिसमें दक्षिण भारतीय पद्धति से नक्षत्र,वेदपाठ, अनुष्ठान, गोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में विशेष प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान प्रातः काल एवं संध्याकाल में दिव्य आरती किया गया। भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। मुंबई का छोटा तिरूपति फणसवाडी के श्री वेंकटेश देवस्थान को माना जाता है। देवस्थान के न्यासी सोमानी परिवार इसके लाभार्थी बने। धर्मोत्सव में हजारों की संख्या में श्रद्धालु का आवागमन रहा। मुंबई, राजस्थान, के अलावा देश के अन्य राज्यों से भी इस पवित्र धर्मोत्सव में श्री वेंकटेश देव दर्शन हेतु पधारे थे। श्री वेंकटेश जी नगर में सवारी निकाली गई थी नित्य धार्मिक अनुष्ठान हुओ प्रेस को इसकी जानकारी व्यवस्थापक सुरेश चौधरी ने दी।

मोदीजी का 11 वर्ष संकल्प से सफलता की ओर : राजन नाईक

नाला सोपारा (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ग्यारह वर्ष का कार्यकाल, विकसित भारत की ओर अग्रसर, ग्यारह वर्षों में देश में जो आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं, जिनमें हर गांव तक अच्छी सड़कें, हाईवे, पांच सौ वर्षों से प्रतीक्षित श्री राम मंदिर, कश्मीर में 370 अनुच्छेद, सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक, मिशन सिंदूर, इन सभी ने देश की बढ़ी हुई ताकत को दुनिया को दिखा दिया है। आने वाला समय भारत का है। हमारा देश अब विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, केवल मोदी की दूरदृष्टि के कारण।

इस कार्यक्रम में नाला सोपारा विधायक राजन नाइक के साथ सह-जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, हरेंद्र दादा पाटिल, अभय कक्कड़, अपर्णा पाटिल,कल्पना नागपुड़े,शीला आयर,सहित वसई विरार जिले के सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

खतरनाक पहाड़ियों के नीचे जान हथेली पर रखकर रहने को मजबूर हैं झोपड़ावासी

मुंबई। हमेशा ही बरसात के मौसम में जर्जर इमारतों और पहाड़ियों के किनारे बसी बस्तियों का मुद्दा प्रकाश में आता है। बरसात के मौसम में अनेकों बार पहाड़ी गिरने से सैकड़ों मौतें भी हो चुकी हैं लेकिन उसके बाद भी उपनगर में अनेक जगहों पर खतरनाक पहाड़ियों के नीचे बड़ी संख्या में लोग रहने को मजबूर हैं। हालांकि मनपा की ओर से प्रति वर्ष पहाड़ियों के किनारे बसी बस्तियों को नोटिस दी जाती है। फिर भी लोग वहां रहने को विवश हैं। पिछले वर्ष मनपा की ओर से 75 जगहों पर पहाड़ियों को धोखादायक और ४५ जगहों पर अत्यंत धोखादायक के रूप में चिन्हित किया गया था। ज्ञात हो कि मुंबई शहर और उपनगर में बड़ी संख्या में झोपड़पट्टियां पहाड़ियों के किनारे बसी हुई हैं। जिसके कारण हर बरसात में कहीं न कहीं चट्टान खिसकने की घटनाएं हुआ करती हैं। बताया जाता है कि वर्ष 2000 में भारी बारिश के दौरान घाटकोपर के आजाद नगर झोपड़पट्टी पर पहाड़ी गिरने से 75 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। उसके बाद 26 जुलाई 2005 की मूसलाधार बारिश में साकीनाका के खाड़ी क्रमांक तीन के नेताजी नगर झोपड़पट्टी में पहाड़ी गिरने से 70 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा हर बरसात में कहीं न कहीं चट्टान गिरने की घटनाएं हुआ करती हैं। उसके बाद भी शासन प्रशासन बरसात के मौसम में खतरनाक हो चुकी पहाड़ियों के किनारे रहने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा पा रहा है। जबकि चेंबूर के पांजरापोल, गडकरी खदान, कस्तूरबा नगर, कुर्ला कसाईवाडा, चुनाभट्टी, साकीनाका खाड़ी क्रमांक तीन, मिलिंद नगर, सुभाष नगर, रामजी नगर, शीतल नगर, संघर्ष नगर, पवई गौतम नगर, मोरारजी नगर, जय भीम नगर, मुलुंड कॉलोनी , विक्रोली वर्षा नगर, पार्कसाइट इलाके में अब भी बरसात के मौसम में पहाड़ी गिरने का खतरा बना हुआ है।

जय हिन्द चालक मालक आटा चक्की यूनियन द्वारा किया गया एडवोकेट अनिल महेसुनी का सत्कार

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के पद्मानगर राम मंदिर के पास एडवोकेट अनिल महेसुनी के कार्यालय पर जय हिन्द चालक मालक यूनियन द्वारा अनिल महेसुनी का शाल पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया गया । बतादें कि पद्मशाली तेलुगु समाज के चुनाव में अनिल महेसुनी के सदस्य चुने जाने पर यूनियन द्वारा उनके कार्यालय पर अपने सदस्यों के साथ जाकर उनका शाल पुष्प गुच्छ देकर सत्कार कर उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी गयी । इस अवसर पर यूनियन के संस्थापक/अध्यक्ष लल्लन शिवमूरत यादव , कार्याध्यक्ष सुधीर सोनी , सचिव रंजय यादव , वार्ड सचिव हवलदार पाल , जान मोहम्मद शेख प्रमुख सलाहकार आचार्य सूरजपाल यादव आदि लोग उपस्थित थे ।

14 गांवों की सर्वदलीय विकास समिति द्वारा विरोध प्रदर्शन

नहीं खत्म हो रहा 14 गांवों का 14 सालों का वनवास

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण ग्रामीण से अलग हुवे 14 गांवों का विकास कार्य नहीं हो रहा है। पालक मंत्री गणेश नाइक और नवी मुंबई महानगरपालिका आयुक्त 14 गांवों का पानी, सड़क आदि विकास कार्यों पर नजरअंदाज कर रहे हैं। परिणामस्वरूप सर्वदलीय पदाधिकारियों ने इस्तीफे का निर्णय लेते हुए विरोध मार्च निकाला। हालांकि शिवसेना के स्थानीय विधायक राजेश मोरे और भाजपा के कल्याण जिला अध्यक्ष नंदू परब ने विकास कार्यों को लेकर वरिष्ठ नेताओं से बैठक कर गांवों के विकास कार्य पूरे करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद पदाधिकारियों ने अपने इस्तीफे वापस ले लिए और आंदोलन समाप्त कर दिया। सोमवार 9 तारीख को 14 गांवों के विकास कार्यों की मांग को लेकर दहिसर मोरी में 14 गांव सर्वदलीय विकास समिति की ओर से विरोध आंदोलन किया गया। इस मौके पर शिवसेना विधायक राजेश मोरे, भाजपा कल्याण जिला अध्यक्ष नंदू परब, समिति अध्यक्ष लक्ष्मण पाटिल, शिवसेना पदाधिकारी बंडू पाटिल, राष्ट्रवादी पार्टी के माली, कांग्रेस के संतोष केणे, भरत भोईर समेत सभी दलों के पदाधिकारी और समिति के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

गणेश नाइक केवल नवी मुंबई के मंत्री नहीं है: इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण पाटिल ने कहा कि, गणेश नाइक को यहां के एक-एक गांव और एक-एक घर की जानकारी है। लेकिन अब उन्हें अचानक क्या हो गया, ये हमें समझ नहीं आ रहा। यह समिति भी उनके मार्गदर्शन में बनी है,लेकिन अब वे उपेक्षा क्यों कर रहे हैं, ये समझ से बाहर है। पाटिल ने यह भी कहा कि नाइक केवल नवी मुंबई तक सीमित नहीं हैं, वे महाराष्ट्र के नेता हैं, महाराष्ट्र के मंत्री हैं और भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। वे हमारे नेता हैं और युति सरकार के मंत्री हैं। हमें उम्मीद है कि वे हमारी बात विस्तार से समझेंगे और हमें न्याय देंगे।

सीएम और दोनों डिप्टी सीएम के साथ करेंगे बैठक: विधायक राजेश मोरे ने कहा कि गांवों के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने और सभी समस्याओं का समाधान करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और विधायक रविंद्र चव्हाण के साथ बैठक कर एक ठोस रास्ता निकाला जाएगा।

अगर करवृद्धि रद्द नहीं की गई तो करेंगे और उग्र आंदोलन: दीपेश म्हात्रे, जिल्हा प्रमुख

कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली महानगर पालिका कचरा कर शुल्क में वृद्धि की गई है। इस करवृद्धि के विरोध में आज शिवसेना (ठाकरे गुट) की ओर से मोर्चा निकाला गया। इस दौरान ठाकरे गुट के पदाधिकारी काफी आक्रामक नजर आए। मनपा के मुख्य प्रवेशद्वार पर सुरक्षाकर्मियों ने मोर्चा रोकने की कोशिश की, लेकिन कार्यकताओं ने प्रवेशद्वार को धक्का देकर अंदर प्रवेश कर लिया। जिससे कुछ समय के लिए मुख्यालय परिसर में हंगामे की स्थिति बनी रही। साथ ही कार्यकताओं ने करवृद्धि को लेकर मनपा के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। आंदोलन के शिष्टमंडल ने मनपा आयुक्त अभिनव गोयल से मुलाकात कर बढ़ाए गए कर को रद्द करने की मांग की। इस मौके पर ठाकरे गुट के उपनेता विजय उर्फ बंड्या सालवी, गुरुनाथ खोत, अल्ताफ भाई शेख, जिल्हा प्रमुख दीपेश म्हात्रे, धनंजय बोडारे, शहर प्रमुख शरद पाटिल, बाळा परब, वैशाली दरेकर, विधानसभा सह-संयोजक रुपेश भोईर समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रॉनी रॉड्रिग्स की फिल्म मैंने प्यार किया फिर से का भव्य मुहूर्त संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पर्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज के चेयरमैन और सिनेबस्टर मैगजीन प्रा. लि. के मालिक रॉनी रॉड्रिग्स अब फिल्म निर्माण के क्षेत्र में भी कदम रख चुके हैं। बतौर निमार्ता उनकी हिंदी फिल्म ह्लमैंने प्यार किया फिर सेह्व का मुहूर्त मुंबई में बेहद भव्य अंदाज में आयोजित किया गया, जिसमें कई नामचीन हस्तियां शामिल हुईं।

इस खास मौके पर रॉनी रॉड्रिग्स के बेटों, चार्ल्स और काडेन का 11वां जन्मदिन भी भव्य रूप से मनाया गया। होटल सहारा स्टार में आयोजित इस कार्यक्रम में धर्मेंद्र, अरबाज खान, विद्या मालवाडे, उदित नारायण, दिलीप सेन, राजपाल यादव, सोनू बगगड़, गणेश आचार्य, ब्राइट आउटडोर मीडिया के योगेश लखानी, कंगना शर्मा, दीपक तिजोरी, चीता यज्ञेश शेट्टी सहित कई मशहूर हस्तियां मौजूद थीं। कार्यक्रम का शानदार संचालन अभिनेत्री और इन्फ्लुएंसर एकता जैन ने किया। सभी अतिथियों ने चार्ल्स और काडेन को ढेरों शुभकामनाएं दीं, जो किसी राजकुमार की तरह लग रहे थे।

कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना से हुई, जिसके बाद मेहमानों का स्वागत फूलों के गुलदस्ते देकर किया गया। रॉनी रॉड्रिग्स ने अपने पुत्र मार्टिन के साथ फिल्म का क्लैप देकर मुहूर्त किया। खास बात यह रही कि रॉनी ने इस फिल्म की कहानी और गीत भी खुद लिखे हैं।

पीबीसी मोशन पिक्चर्स प्रा. लि. के बैनर तले बन रही इस फिल्म का निर्देशन साबिर शेख कर रहे हैं। कीर्ति कदम एसोसिएट प्रोड्यूसर, निसार अख्तर लेखक, दिलीप सेन संगीतकार, नौशाद प्रकर डीओपी, मोहन बगगड़ एक्शन डायरेक्टर, हिमांशु झुनझुनवाला एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर और एकता जैन कास्टिंग डायरेक्टर हैं। फिल्म का एक गीत उदित नारायण ने गाया है, जिसे उन्होंने मंच पर लाइव गाकर सुनाया और सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

महान अभिनेता धर्मेंद्र ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा, ह्लमैंने प्यार किया फिर सेह्व एक मिक्स वेज फिल्म जैसी है—हर स्वाद और मनोरंजन से भरपूर। रॉनी रॉड्रिग्स और उनकी टीम को मेरी ढेरों शुभकामनाएं। अरबाज खान के साथ पहले 'प्यार किया तो डरना क्या' में मजा आया था, और अब इस नई फिल्म में फिर से साथ आकर खुशी हो रही है।

सामयिक मंथन का 20 वां स्थापना दिवस समारोह संपन्न

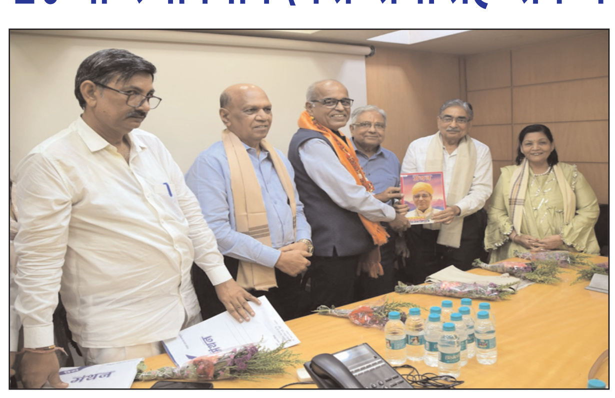

मुंबई (उत्तरशक्ति)। सामयिक मंथन पत्रिका का 20 वां स्थापना दिवस समारोह तुलसियानी चैंबर्स,

नरीमन पाइंट,मुंबई पर समारोह पुर्वक वरिष्ठ समाज सेवी एवं सी.ए.आर.एल. काबरा के मार्ग दर्शन में संपन्न हुआ। उद्योगपति कैलाश अग्रवाल ने दीप

प्रज्जवलन कर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ सी.ए. रामस्वरूप सामरिया एवम संचालन डॉ.देवेन्द्र मिश्र (संपादक सामयिक मंथन) ने किया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथी के रूप में दामोदर काबरा (वरिष्ठ समाज सेवक एवं सी.ए.) उपस्थित रहे।

समारोह में समाज सेवी एवं उद्योगपति अशोक दम्मानी को माहेश्वरी रत्न एवम राजेन्द्र सागरमल धुवालेवाला (समाज सेवक एवं उद्योगपति) को समाज रत्न पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर सामयिक मंथन के दो विशेषांक का विमोचन समाज सेवक सत्य नारायण काबरा के शुभहस्तों संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथी के रूप में उद्योगपति रामनारायण सोमानी,रामविलास माहेश्वरी,

डॉ.बाबूलाल सिंह (वरिष्ठ समाज सेवी),डॉ.आर. एम.पाल (शिक्षाविद) सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समापन में डॉ.बाबूलाल सिंह ने सभी का आभार प्रकट किया।

42 वर्षीय व्यक्ति को दुर्लभ अंतर-राज्य आंत प्रत्यारोपण के बाद दूसरा जीवन मिला

मुंबई। डॉक्टरों की शानदार कोशिश और विशेषज्ञता की एक बडी उपलब्धि में नानावटी मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने महाराष्ट्र के गांव की एक 42 वर्षीय व्यक्ति को दुर्लभ छोटी आंत का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण करके नई जिंदगी दी है। दिल्ली में एक मृत व्यक्ति के द्वारा दान किए गए अंग को मात्र साढ़े चार घंटे में 1,400 किलोमीटर से अधिक की यात्रा करके मुंबई लाया गया।

सड़क हादसे के बाद दिल्ली के एक निजी हॉस्पिटल में 21 साल की एक युवती को ब्रेन डेड घोषित किया गया। इस युवती के परिवार ने उसके अंग दान करने की सहमति दी।

दो साल पहले, महाराष्ट्र के बीड जिले के श्री सिद्धेश्वर दके को पेट में लगातार दर्द और तेज ऐंठन शुरू हुई। मराठवाडा क्षेत्र के कई हॉस्पिटलों में दिखाने के बावजूद उनकी बीमारी का सही पता नहीं चला। कुछ डॉक्टरों ने अल्सर तो कुछ ने कैंसर का शक जताया। उनकी हालत और बिगडती गई।

इस साल की शुरूआत में, उन्हें संभाजीनगर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया। वहां उनके परिवार को पता चला कि नानावटी मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल शहर में लीवर, आंत और पैनक्रियास की खास ओपीडी चलाता है। उन्होंने मुंबई के नानावटी मैक्स हॉस्पिटल में डॉ. गौरव चौबल से सलाह ली, जो एचपीबी सर्जरी और लीवर व मल्टी-ऑर्गन ट्रांसप्लांट के डिरेक्टर हैं।

मुंबई के नानावटी मैक्स हॉस्पिटल के एचपीबी सर्जरी और लीवर व मल्टी-ऑर्गन ट्रांसप्लांट के डिरेक्टर डॉ. गौरव चौबल ने इस केस के बारे में बताया कि ह्लसिटी स्कैन से पता चला कि मरीज की छोटी आंत में खून की सप्लाई रुक गई थी और वह सडने लगी थी। जांच में पाया गया कि मरीज को हाइपरकोएग्युलेबल अवस्था के कारण सुपीरियर मेसेंटेरिक आर्टरी (एसएमए) थ्रोम्बोसिस हुआ था, जो खून के थक्के बनने की अधिक प्रवृत्ति के कारण हुआ। जीवन को खतरे में डालनेवाली स्थिति से मरीज को बचाने के लिए तुरंत हस्तक्षेप जरूरी था। हमने प्रभावित हिस्से को हटाने के लिए इमरजेंसी सर्जरी की। ऐसे मामलों में छोटी आंत का ट्रांसप्लांट ही एकमात्र स्थायी इलाज है। चूंकि परिवार में कोई जीवित दाता नहीं था, श्री दके को राष्ट्रीय शव अंग प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा सूची में डाला गया। एक महीने बाद, नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन ने हॉस्पिटल को दिल्ली में एक संभवित दाता के बारे में सूचना दी।

मुंबई के नानावटी मैक्स हॉस्पिटल के एचपीबी सर्जरी और लीवर व मल्टी-ऑर्गन ट्रांसप्लांट के एसोसिएट डिरेक्टर डॉ. आदित्य जे. नानावटी ने बताया कि से सूचना मिलते ही हमारी अंग निकालने वाली टीम जरूरी उपकरणों के साथ दिल्ली रवाना हुई। वहां पहुंचते ही अंग निकालने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की गई। मैक्स हॉस्पिटल शालीमार बाग और बीएलके-मैक्स हॉस्पिटल, जो हमारी नेटवर्क हॉस्पिटल्स है, ने हमें लॉजिस्टिक्स, जैसे एम्बुलेंस, पुलिस अनुमति और तेजी से टिश्यू क्रॉस-मैचिंग में मदद की। यह पूरी प्रक्रिया सटीक टीमवर्क का नतीजा थी।

अंग निकालने और जरूरी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद, टीम ने आंत को विशेष ग्रीन कॉरिडोर के जरिए मुंबई पहुंचाया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

कर की चपेट में आने से बीएससी की दो छात्राओं की हुई दर्दनाक मौत

परिजनों का रो-रोकर हुआ बुरा हाल

मुहम्मद आरिफ

गम्भीरपुर,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। गम्भीरपुर थाना क्षेत्र के गोसाई की बाजार नंदी भौजी पहलवान ढाबा के सामने हुंडई कार की चपेट में आने से प्रैक्टिकल देने जा रही ।बीएससी की दो छात्राओं अंशिका 22 वर्ष पुत्री लालमुनी व आंचल 22 वर्ष पुत्री सुरेंद्र यादव की मृत्यु हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक अंशिका 22 वर्ष पुत्री लालमुनी निवासी कूड़ेभार थाना देवगांव व आंचल 22 वर्ष पुत्री सुरेंद्र यादव निवासी खनिहरा थाना देवगांव गोसाई की बाजार स्थित मां शारदा विद्यालय मे बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा थी। सोमवार की सुबह वह विद्यालय पर साइकिल से प्रैक्टिकल देने जा रहे थी।सुबह 9:00 बजे के करीब वह दोनों छात्राएं जैसे ही गोसाई की बाजार नंदी भौजी पहलवान ढाबा के सामने पहुंची थी। सामने से आ रही तेज रफ्तार हुंडई कार की चपेट में आ गई और रोड पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची गंभीरपुर पुलिस व स्थानीय ग्रामीणों की मदद से दोनों छात्राओं को प्राथमिक उपचार के लिए लालगंज ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने दोनों छात्राओं को मृत घोषित कर दिया। मृत्यु की खबर मिलते ही पूरे परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची गंभीरपुर पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे मे लेकर पंचनामा बनवाकर पीएम के लिए भेज दिया। पुलिस छात्राओं को टक्कर मारने वाली गाड़ी को अपने कब्जे में ले ली है।मृतक छात्रा अंशिका एक भाई तीन बहन में सबसे छोटी थी व आंचल चार बहनों में सबसे छोटी थी। मृत्यु की खबर सुनते ही आंचल की मां धनदेई समेत पूरे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक अंशिका की एक बड़ी बहन की भी लगभग 3 वर्ष पहले सड़क दुर्घटना में ही मृत्यु हुई थी। हुंडई कर यू पी 32 पीके 4333 के खिलाफ मृतक छात्रा आंचल की माता धनदेई देवी पत्नी सुरेंद्र यादव ने तहरीर दी है। आगे विधि करवाई में पुलिस लगी हुई है।

पीडीए विचारधारा ही नहीं एक आंदोलन है, इसे एकजुटता से ही कामयाब बनाना है: राकेश मौर्य

पीडीए मतलब पीड़ित दुखी अपमानित: लालबहादुर यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी जौनपुर की मासिक बैठक आज 11 बजे दिन सांसद जौनपुर कार्यालय शुक्ला ट्रांसपोर्ट की गली नईगंज में जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने बैठक में प्रदेश से आए प्रपत्र एवं एजेंडे से सदन को अवगत कराया। अध्यक्षता कर रहे जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व की मंशानुरूप मतदाता सूची का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेकर बूथ स्तर पर काम करना आवश्यक है। उन्होंने कहाकि सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर पर पीडीए चर्चा कार्यक्रम आयोजित कर रिपोर्ट ज़िला इकाई को जरूर दें। जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि जिस तरह से लगातार पीडीए समाज का उत्पीड़न किया जा रहा है अब पीडीए समाज को जागरूक एवं एकजुट होना आवश्यक हो गया है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से आगामी 2027 की सफलता के लिए जी जान से जुटकर अनुशासन के साथ कड़ी मेहनत करने का आवाहन किया। पूर्व विधायक लालबहादुर यादव, पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पीडीए मतलब पीड़ित, दुखी और अपमानित है और अब पीडीए समाज जागरूक होकर अपमान का बदला लेगा। पीडीए आंदोलन को धार देने के लिए पूरे प्रदेश में पीडीए समाज को जागरूक करने के क्रम में राजीव रत्न मौर्य ने भी अपने ओजस्वी विचार व्यक्त किया।

बैठक को पूर्व ज़िला पंचायत अध्यक्ष राजबहादुर यादव, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री संगीता यादव, पूर्व प्रमुख रमापति यादव, उपाध्यक्ष गण श्यामबहादुर पाल हीरालाल विश्वकर्मा महेंद्र यादव नैपाल, राजेंद्र यादव टाइगर, उमाशंकर पाल, लाल मोहम्मद राईनी, ज़िला सचिव गण राजदेव पाल, कमलेश यादव, निजामुद्दीन अंसारी, रत्नाकर चौबे, विधानसभा अध्यक्ष गण रामजतन यादव, वीरेंद्र यादव, रामू मौर्य एडवोकेट, नंदलाल यादव, राम अकबाल यादव, सूर्यभान यादव, महासचिव रामयश यादव, पवन कुमार मंडल, फ्रंटल के अध्यक्ष गण दिलीप प्रजापति, आनंद गुप्ता, अशोक नायक, गुड्डू सोनकर, लक्ष्मीशंकर यादव, अजहर रहमान, हरिश्चंद प्रभाकर, प्रेमशंकर यादव, दीपक विश्वकर्मा, आदि ने संबोधित करते हुए संगठन को मजबूत किए जाने का संकल्प लिया। बैठक में पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, प्रदेश सचिव राजेश विश्वकर्मा, महेंद्र यादव, राजेंद्र यादव, राहुल यादव, राजमूर्ति सरोज, उमाशंकर चौरसिया, दिनेश यादव फौजी, गुलाब यादव रीठी, जयप्रकाश यादव प्रिंसु, श्यामनारायण बिंद, शर्मिला यादव, जगदीश प्रसाद मौर्य गप्पू, डॉ जंगबहादुर यादव, प्रभाकर मौर्य, अशोक निषाद, संजय गौतम, अफरोज हुसैनी, शिवम् यादव शुभम, प्रदीप कुमार पाल, अशोक यादव नेता, आजाद यादव, अरुण प्रजापति जितेंद्र शर्मा, नीलम शर्मा, भूपेश पांडे, आर बी यादव, धर्मेंद्र सोनकर, अरविंद सोनकर, प्रवेश यादव, उमेश यादव, शैलेश यादव हरिकेश यादव, जे पी यादव, योगेन्द्र यादव, कमलेश यादव, सुनील यादव, सूर्यनाथ यादव, अनुभव यादव, जगदीश यादव, राजेश झल्लूराम पटेल सहित सैकड़ों सपाजन उपस्थित रहे। मासिक बैठक का संचालन ज़िला महासचिव आरिफ हबीब ने किया।

साइबर फ्राड के पीड़ित 38 व्यक्तियों के खातों में कुल 20 लाख 6490 रुपये कराए गए वापस

101 गुमशुदा मोबाइल को बरामद कर उनके स्वामियों को किया गया सुपुर्द

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। साइबर क्राइम थाना जनपद जौनपुर द्वारा साइबर फ्राड के पीडित 38 व्यक्तियों के खाते में कुल 2006490 (बीस लाख छः हजार चार सौ नब्बे रुपये) वापस कराते हुए 101 गुमशुदा मोबाइल (कीमत करीब पच्चीस लाख रुपए) को बरामद कर मोबाइल स्वामियों को किया गया सुपुर्द। जनपद जौनपुर में नागरिकों के गुमशुदा/खोये हुए मोबाइल फोन बरामद किये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साइबर क्राइम थाना जौनपुर को निर्देशित किया गया था। गुमशुदा मोबाइल धारकों द्वारा सीई0आई0आर पोर्टल पर आनलाइन अपनी शिकायत दर्ज की जाती है। गुमशुदा मोबाइलों के प्रार्थना पत्रों/सीईआईआर पोर्टल के आधार पर साइबर क्राइम थाना जनपद जौनपुर पुलिस टीम द्वारा अप्रैल व मई माह में भिन्न-भिन्न थाना क्षेत्र से पीड़ितों के गुम हुए 101 मोबाइलो को दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, झारखण्ड, बिहार, राजस्थान, आन्ध्र-प्रदेश राज्यो व जनपद जौनपुर सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से बरामद किया गया। बरामद मोबाईलों में मुख्यतः आईफोन, वन प्लस, सैमसंग, वीवो, रेडमी, ओप्पो व रियलमी कम्पनी की मोबाइल है, जिनका बाजार मूल्य लगभग 25 लाख रुपये है। बरामद मोबाइल को श्री आयुष श्रीवास्तव अपर पुलिस अधीक्षक नगर के द्वारा श्री देवेश सिंह, क्षेत्राधिकारी नगर/क्षेत्राधिकारी साइबर क्राइम की उपस्थिति में मोबाइल स्वामियों को वितरित किया गया। अपना खोया मोबाइल पाकर सभी मोबाइल धारक काफी सन्तुष्ट व खुश दिखे।

साइबर क्राइम थाना द्वारा एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के आधार पर तत्काल कार्यवाही करते हुए अप्रैल व मई माह में अब तक साइबर फ्राड के पीडित 38 व्यक्तियों के खाते में कुल 2006490 (बीस लाख छः हजार चार सौ नब्बे रुपये) वापस कराये गये।

मोबाइल फोन गायब होने की दशा में थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराने के उपरान्त CEIR पोर्टल पर शिकायत करें। साइबर अपराध के प्रति जागरुकता ही बचाव है। साइबर अपराध के शिकार होने के तत्काल 1930 पर आनलाइन शिकायत करें अथवा www.cybercrime.gov.in पर शिकायत पंजीकृत करें या अपने नजदीकी थाने की साइबर हेल्पडेस्क पर पहुँच कर लिखित शिकायत करें।

दूल्हे की आंख में लगे लेंस ने खोला एक आंख के काने का राज

लड़के पक्ष ने छिपाकर करना चाहा शादी, हुआ जमकर हंगामा

बरसठी,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के एक गांव का मामला सामने आया है। जहां मछली शहर के निजामुद्दीनपुर गांव से पिंटू गौतम अपने लड़के की बारात लेकर 08/06/2025 आए थे। सब कुछ बड़े ही धूम-धाम से चल रहा था। बारातियों का स्वागत, नाश्ता पानी करा कर डीजे पर बाराती नाच गाना करते दूल्हे को लेकर लड़की के घर दुबरा पर पहुंचे उसके बाद जयमाल का भी कार्यक्रम संपन्न हो चुका तब तक तो सब कुछ ठीक ठाक से चलता रहा।

मंडप में विवाह बैठने के दौरान खुला पोल: जब मंडप में रात्रि 1 बजे शादी बैठने का कार्यक्रम शुरू हुआ। तभी एक लाइट की वजह से खुल गई काने दूल्हे की पोल, जिसको लेकर घर वालों ने बताया कि जब लड़के के आंख पर एक लाइट का प्रकाश गया तो उसके आंख में लगा लेंश चमक उठा और उस पर घरातियों की नजर पड़ी तो लोग सोच में पड़ गए कि यह क्या चमक रहा है।

महिलाओं ने खोला अंधे पन का राज: तब क्या था जहां महिलाएं होंगी वहां कोई राज भला कैसे छिपा रह सकता है, अब महिलाओं ने लड़के की आई टेस्ट लेना शुरू कर दिया और उसी में सच्चाई सामने आ गई। लड़का एक आंख से अंधा निकला।

अब लड़के के पिता और लड़की पक्ष में पंचायत बैठ गई जिसमे घराती बाराती पक्ष का माहौल गरम होने लगा जिसमे गांव के भी कुछ सम्मानित रात को पंचायत में बुलाए गए, लड़के के पिता बस एक रट लगाए बैठे की इन लोगों ने 10 बार लड़के को देखा था। अपना पल्ला झाड़ने के लिए लड़की पक्ष को दोषी बताने लगा वही लड़की के भाई ने बताया कि हमें यह कभी नहीं बताया कि लड़का एक आंख से अंधा है इसको छुपा कर शादी की जा रही थी। ऐसे देखने पर कोई नहीं कह सकता दूल्हा एक आंख से अंधा है। जिसको लेकर दूल्हे के पिता फायदा उठाने की कोशिश में थे लेकिन लड़की के किस्मत ने उसे बचा लिया। अब लड़के पक्ष के लोगो का कहना है कि जो हमारा खर्च हुआ वह सब लड़के के पिता भरपाई कर अपनी बारात वापस लेकर जाए जिसको लेकर मामले में काफी हंगामा हुआ।पुलिस को नहीं दी गई सूचना।

वाराणसी में युवक ने फांसी लगाकर मौत को लगाया गले

घर से दूर रह करता था पढ़ाई, पुलिस कर रही है मामले की जांच

डॉ.ए.के.मिश्रा, वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में वाराणसी में 22 साल के युवक ने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सूचना पर पुलिस टीम पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरा मामला सारनाथ के सोना तालाब की है।स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि मानसिंह राजभर ने बताया-शिवकुमार कश्यप के मकान में एक लड़का रहता था। उन्होंने बताया कि सुबह जब युवक ने दरवाजा नहीं खोला तो खिड़की से देखा गया वह कपड़े के सहारे लटका हुआ मिला। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। उन्होंने बताया कि लड़का घर से अलग रहता था और वाराणसी में टोटो चलाता था। उसके मौसा भी यही रहते थे जो टोटो चलाते है। इस घटना को लेकर क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जांच में यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है, लेकिन हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। युवक सोनू पिछले कुछ समय से वाराणसी में रह रहा था और एक किराए के कमरे में अकेला रहता था।

बच्चों की प्रतिभा को निखारना प्रशंसनीय: मधुसूदन बैंकर

लायंस क्लब जौनपुर रॉयल का सेवा संकल्प: नन्हे कलाकारों के बीच स्वादिष्ट स्वल्पाहार वितरण

अभिताश गुप्ता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सेवा, संस्कार और समर्पण की त्रिवेणी बन चुका लायंस क्लब जौनपुर रॉयल अपने सामाजिक उत्तरदायित्व को निभाते हुए एक बार फिर सेवा के पथ पर अग्रसर हुआ। शनिवार को नगर के बीआरपी इंटर कॉलेज में संस्कार भारती एवं ललित कला अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यशाला के पन्द्रहवें दिन क्लब द्वारा नन्हे प्रतिभागियों को स्वादिष्ट नाश्ते का वितरण किया गया। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष ला.मधुसूदन बैंकर ने कहा बच्चे ईश्वर का प्रतिरूप होते हैं। इनकी ऊर्जा और रचनात्मकता को संवारना हम सभी का कर्तव्य है। ग्रीष्मकालीन छुट्टियों का ऐसा सकारात्मक उपयोग निःसंदेह प्रशंसनीय है। उन्होंने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उनके परिश्रम और लगन की सराहना की।संस्थापक अध्यक्ष ला. अजय गुप्ता ने कहा बच्चों की आंखों में चमक और सीखने की जिज्ञासा हमें प्रेरणा देती है। इनकी प्रसन्नता ही हमारे प्रयासों की सबसे बड़ी उपलब्धि हैकोषाध्यक्ष लायन राजेश किशोर श्रीवास्तव ने कहा प्रशिक्षणरत बच्चों को प्रोत्साहन देना समाज के निर्माण की नींव है। लायंस क्लब का यह प्रयास बच्चों के आत्मविश्वास को नई उड़ान देगा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों, अभिभावकों एवं प्रशिक्षकों को स्वादिष्ट जलेबी, खस्ता, छोला व फ्रूटी का नाश्ता परोसा गया। हर चेहरे पर मुस्कान और उत्साह की झलक इस सेवा प्रयास की सफलता का प्रमाण बनी।संस्कार भारती के उपाध्यक्ष श्री ऋषि श्रीवास्तव ने क्लब के इस आयोजन की भूरी-भूरी प्रशंसा की और सभी का स्वागत किया, वहीं महामंत्री अमित गुप्ता ने क्लब के प्रति आभार व्यक्त किया।इस विशेष अवसर पर आशीष चौरसिया, डॉ. विष्णु गौड़, बालकृष्ण साहू, विनोद अग्रहरि, रविकांत जायसवाल, राजेश अग्रहरि,रविन्द्र नाथ जी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे यह आयोजन समाज के प्रति लायंस क्लब जौनपुर रॉयल की जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का जीवंत उदाहरण बना।

समाधान दिवस में 48 शिकायतों में से महज 3 का हुआ निस्तारण

लालगंज,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। लालगंज तहसील परिसर सभागार में सोमवार को संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन उपजिलाधिकारी भुपाल सिंह की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ। उपजिलाधिकारी भुपाल सिंह ने जनता की समस्याएं सुनी। इस दौरान 48 फरियादी शिकायत लेकर अफसरों के पास पहुंचे थे ।इनमें से 03 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस मे राजस्व विभाग के 26, पुलिस 08, विकास विभाग 02, विद्युत विभाग 03, खाद्य एवं रसद विभाग 02 अन्य 07 सहित कुल 48 शिकायतें आई थी। जिसमें 03 शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया ।उपजिलाधिकारी भुपाल सिंह ने शेष 45 मामलों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के अंदर करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। कहा कि जनता की समस्याओं के त्वरित व गुणवत्ता युक्त निस्तारण किया जाए ।इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। इस अवसर पर तहसीलदार अंजू यादव, सीडीपीओ रामनिवास सिंह, खंड विकास अधिकारी शशिकांत पांडेय, प्रभारी एडीओ पंचायत ओपी सिंह, सप्लाई इंस्पेक्टर संतोष कुमार, राजस्व निरीक्षक हरिद्वार सिंह पालीवाल, विपिन सिंह, राजकुमार सिंह, अशोक सिंह, बांकेलाल सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त हुए 203 शिकायती प्रार्थना पत्र

मौके पर 18 शिकायती प्रार्थना पत्रों का किया गया निस्तारण

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में तथा पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ की उपस्थिति में तहसील शाहगंज के सभागार में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी के द्वारा गम्भीरतापूर्वक सुनवाई करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि शिकायती प्रार्थना पत्रों पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए ।चन्द्रावती देवी, इन्द्रावती, द्रौपदी के द्वारा जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना-पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि ग्राम मड़वा मोहिउद्दीनपुर पर अंगुली तहसील शाहगंज की भूमि अधिग्रहण कर लिया गया है और प्रतिकर भुगतान हेतु प्रार्थनीगण को नोटिस भी दी गयी थी ।आवश्यक अभिलेख जमा करने के बावजूद भी 01 वर्ष बीत जाने के उपरान्त भी मुआवजा अभी प्राप्त नही हुआ है और सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है ।जिस पर जिलाधिकारी के द्वारा उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि 15 जून 2025 तक प्रकरण का निस्तारण कराना सुनिश्चित करें। उर्मिला निवासी डीह अशरफाबाद ने प्रार्थना पत्र दिया कि पड़ोसी के द्वारा मकान बनाने में विवाद उत्पन्न किया जा रहा है जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार शाहगंज और थाना प्रभारी के द्वारा राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा अवरोधो को खत्म कराते हुए समस्या का निदान करने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार जिलाधिकारी के समक्ष राजस्व विभाग, भूमि विवाद, पथरगड्डी, पेंशन आदि से सम्बन्धित शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसपर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को अग्रसारित करते हुए ससमय निस्तारण करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विभाग समन्वय कर लक्ष्य के सापेक्ष वृक्षारोपण कराये, उन्होंने सभी से अपील किया कि अपनी माँ के नाम 01 पौधा अवश्य लगाये। इसके साथ ही सभी थानों में भी वृक्षारोपण कराया जाए। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान फरियादियों के लिए ओआरएस पैकेट उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष 203 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, मौके पर 18 शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, उप जिलाधिकारी राजेश कुमार, क्षेत्राधिकारी, जिला विकास अधिकारी मीनाक्षी देवी सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 राम अक्षयबर चौहान की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में भी संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया।

बदलापुर पुलिस ने हर्ष फायरिंग करने वाले 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

बदलापुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा हर्ष फायरिंग करने वाले 02 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से लाइसेन्सी रायफल व कारतूस बरामद ।प्रभारी निरीक्षक बदलापुर अरविन्द कुमार पाण्डेय के कुशल संचालन मे विशेष अभियान चलाकर थाना बदलापुर पुलिस टीम उ0नि0 प्रशान्त पाण्डेय मय हमराही कर्मचारीगण के द्वारा थाना स्थानीय के ग्राम देवरामपुर में हर्ष फायरिंग करने वाले आरोपीगण 1. जगन्नाथ यादव पुत्र स्व0 राम अवध यादव निवासी पचरुखवा थाना पवई जनपद आजमगढ़ 2. सुनील कुमार राजभर पुत्र रामअवध राजभर ग्राम सरैना थाना अहरौला जिला आजमगढ़ के कब्जे से 01 लाइसेन्सी रायफल .315 बोर व 03 खोखा कारतूस .315 बोर बरामद करते हुए कारण गिरफ्तारी बताते हुए दिनांक-08.06.2025 बहद ग्राम देवरामपुर से हिरासत पुलिस में लिया गया। बरामदगी के आधार पर सुसंगत धाराओं मे आरोपी उपरोक्त के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

खराब सरकारी हैण्डपम्प की मरम्मत होने से श्रद्धालुओं में खुशी

सिधौना,आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)।सिद्धेश्वरी धाम पर स्थित सरकारी हेड पंप खराब हो गया। जिससे श्रद्धालुओं को पूजनार्थियों को पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। बताते चले कि लगभग हजारों की संख्या में प्रतिदिन सिद्धेश्वरी धाम पर इस समय हलवा पूरी चढ़ाने वाले मुंडन संस्कार कराने वाले दर्शनार्थियों का सिद्धेश्वरी धाम पर आना-जाना लगा रहता है। पूजनार्थियों एवं दर्शनार्थियों को सरकारी हेड पंप खराब होने से अनेक प्रकार से परेशानियों का सामना करना पड़ा था, जो खंड विकास अधिकारी लालगंज शशिकांत पांडेय के आदेशानुसार सिधौना प्रधान प्रतिनिधि विष्णु मौर्य के नेतृत्व में मिस्त्री बुलवाकर हेड पंप को तत्काल बनवाया गया। जिससे पानी की समस्या दूर हो गई इसके पहले भी सिद्धेश्वरी धाम पर सामने वाला मशीन खराब था जिसे बनवाया गया। लेकिन पानी सही प्रकार से नहीं दे रहा है। दूसरी हेड पंप मशीन बन जाने से पानी की समस्या दूर हो गई। मौके पर सिद्धेश्वरी मंदिर के साधु राजा मौर्या एवं सरकारी हेड पंप बनाने वाली मिस्त्री रविंद्र और अरविंद उपस्थित रहे।

अज्ञात कारणों से पुआल में लगी आग

ग्रामीणों ने किया मुआवजे की मांग

कोन,सोनभद्र(उत्तरशक्ति)। थाना कोन क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कुड़वा के टोला सेमर हवादामर निवासी चंद्रदेव यादव के खलिहान में रखा पुआल में अज्ञात कारणों से दोपहर लगभग 12.30 आग लग गई। जिसे तत्काल किसान भाई चंद्रदेव यादव, अवधेश यादव, धीरेन्द्र यादव, मृत्युंजय यादव, राजकेश्वर, विजय, वार्ड सदस्य प्रभावती देवी आदि के द्वारा समरसेबल चलाकर आग बुझाने का प्रयास किया गया। किन्तु आग इतनी विकराल थी कि आग पर काबू नहीं पाया जा सका। ग्रामीणों ने फायर ब्रिगेड, पुलिस कंट्रोल रूम, लेखपाल सहित ग्राम प्रधान को सूचित कर किया। वहीं पीड़ित किसान भाईयो ने बताया कि पशुओं के खाने के लाले पड़ गये और उन्होंने जिला प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए मुवावजे की मांग किया है। जिसके बावत स्थानीय लेखपाल ने बताया कि सूचना मिली है अगर कुछ शासन स्तर से कुछ होता है तो हर सम्भव सहायता राशि दी जायेगी।

शिक्षक के निधन पर संघ ने जताया शोक

मडियाहूं,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सीनियर बेसिक शिक्षक संघ मड़ियाहूँ तहसील इकाई की एक बैठक सोमवार को संघ के पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें भगौती सिंह पूर्व मध्यमिक विद्यालय के सेवानिवृत शिक्षक 74 वर्षीय इंद्रसेन सिंह की ब्रेन हैमरेज के कारण हुई निधन पर शोक व्यक्त किया गया। उनके निधन पर शिक्षकों ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा। इस अवसर पर राजनाथ पाठक, अशोक सिंह, राम सिंह, अच्छे लाल यादव, लालमणि यादव, मातिवर प्रजापति, प्रेम शंकर यादव आदि लोगों उपस्थित रहे।

संतों की मौजूदगी में रघुकुल ग्रैंड होटल का भव्य उद्घाटन

*** संतों और जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में संजय दूबे ने खोला आतिथ्य का नया द्वार**
*** महंत व प्रधान अर्चक, एमएलसी अन्नपूर्णा सिंह सहित समाजसेवियों और व्यवसायियों की रही खास मौजूदगी**

-सुरेश गांधी

आजमगढ़। अनेक ऋषियों की पावन पुण्य भूमि व तमसा के पावन तट पर स्थित आजमगढ़ में रविवार को आतिथ्य और आधुनिकता का एक नया अध्याय जुड़ गया। हरदिल अजीज और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय संजय दूबे ने अपने बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट रघुकुल ग्रैंड होटल का भव्य उद्घाटन धार्मिक और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न कराया। होटल परिसर में अन्नपूर्णा मंदिर, वाराणसी के महंत शंकर पुरी जी एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रधान अर्चक पं. श्रीकांत मिश्रा जी की उपस्थिति ने आयोजन को आध्यात्मिक आयाम दिया। कलश पूजन, मंत्रोच्चारण और आरती के बीच फीता काटकर होटल का उद्घाटन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में विधान परिषद सदस्य श्रीमती अन्नपूर्णा सिंह व उनके पति पूर्व एमएलसी बृजेश सिंह अपने परिवार संग समारोह में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा, ह्णरघुकुल ग्रैंड होटल पूर्वांचल के लिए न केवल एक आधुनिक होटल है, बल्कि यह क्षेत्र के विकास का वाहक भी बनेगा।

व्यवसायिक एवं सामाजिक चेहरों की जुटान

इस भव्य अवसर पर प्रदीप सिंह, रविन वर्मा, सौरव श्रीवास्तव, प्रवीण यादव, शिवम, यशवंत सिंह, गौरव समेत कई समाजसेवी, युवा उद्यमी और स्थानीय प्रतिष्ठितजन उपस्थित रहे। सभी ने संजय दूबे जी के इस प्रयास की सराहना की और भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। हाई-क्लास सुविधाओं से सुसज्जित, विवाह-समारोह से लेकर कॉर्पोरेट आयोजन तक की संपूर्ण व्यवस्था के अलावा रघुकुल ग्रैंड होटल में मल्टी-कुजीन रेस्टोरेंट, एसी बैंकेट हॉल, लक्जरी सुइट्स, कॉन्फ्रेंस रूम, और ओपन लॉन जैसी सुविधाएं दी गई हैं। आयोजनों के लिए यह होटल अब आजमगढ़ की पहली पसंद बनने जा रहा है। यह होटल क्षेत्रीय पर्यटन, रोजगार और व्यवसाय को नई दिशा देगा। आयोजन स्थल के रूप में इसकी भव्यता और प्रबंधन इसे अलग पहचान देंगे। उद्घाटन समारोह के आकर्षण का केंद्र बना होटल परिसर, जहां लोग लगातार फोटो सेशन और सेल्फी लेते दिखे। महंत शंकर पुरी जी एवं श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रधान अर्चक पं. श्रीकांत मिश्रा ने कहा रघुकुल ग्रैंड होटल के उद्घाटन ने शहर को एक नई पहचान दी, संजय दूबे जी को दिल से बधाई।

महाराष्ट्र पुलिस के ५५०० से अधिक कर्मचारी योंका घर बसने से पहले उजड़ गया, सरकार से न्याय की गुहार

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस के ५५०० से अधिक कर्मचारी आज भी बेघर। आखिरी कब तक मिलेगा घर के लिए डिजी लोन।खुद का अपना घर हो हर इंसान की ख्वाहिश रहती है।पर २०२३ से महाराष्ट्र पुलिस को मिलने वाला डिजी लोन अचानक रोक देने से कई पुलिस कर्मचारी हताश हो चुके है। कितनो के घर बसने से पहले ही उजड़ गए हे।फिर भी इंतजार है।आज ना कल हमारे घर लेने की ख्वाहिश सरकार सच करेगी। पुलिस कर्मचारियों ने जगह लिया,कही घर बांधना शुरू किया,कही रूम बुक किया था,ये भी कही न कही दूसरी जगह से ब्याज पे पैसा उठाकर,सोना गिरवी रख कर।पर २०२३ से अचानक डिजी लोन मिलने का बंद हुआ।जो अभी तक चालू नहीं हुआ। इसलिए ५५०० से अधिक कर्मचारियों को आर्थिक और मानसिक रूप से बेहद परेशानी में जुझ रहे है।पुलिस कर्मचारी दिन रात यही सोचते है कि सरकार आज लोन देंगी,कल देगी पर २ साल बीत गए। कोई सुविधा नहीं मिली।फिर भी आस लगाए बैठे है,बस इसी भरोसे बैठी है हमारे घर के लिए डिजी लोन सरकार देगी। महाराष्ट्र पुलिस को घर मिलने के लिए कई विधायकों ने सरकार को निवेदन दिया है।पर सरकार चुप है।आखिर हम सभी के रक्षण कर्ता महाराष्ट्र पुलिस कर्मचारी को न्याय कब मिलेगा।आखिर उनका घर लेने की ख्वाहिश कब पूरी होगी।इसलिए धड़ाकेबाज युवा प्रतिष्ठान महाराष्ट्र राज्य के अध्यक्ष श्री अमोल धनराज केन्द्रे जी ने महाराष्ट्र सरकार के मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्री,महसूल मंत्री, गृह विभाग ग्रामीण के राज्यमंत्री, गृह विभाग शहर के राज्य मंत्री,माजी सैनिक कल्याण मंत्री सभी को दिनांक २८/५/२०२५ को निवेदन दिया था।पर अभी तक कोई फैसला हुवा नहीं।इसलिए कई बार मंत्रालय में जाकर पुलिस कर्मचारी को घर के लिए लोन के लिए प्रयास किया।आज फिर से महाराष्ट्र पुलिस के ५५०० से अधिक कर्मचारियोको की घर लेने की ख्वाहिश पूरी करने के लिए। धड़ाकेबाज युवा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री अमोल धनराज केन्द्रे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार जी,उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ,गृह ग्रामीण राज्यमंत्री ,गृह शहरे राज्यमंत्री, माजी सैनिक कल्याण मंत्री, पर्यावरण मंत्रीजी को निवेदन दिया। खाकी वर्दी हमारी रक्षण कर्ता है, उनकी मांग को जल्द से जल्द पूरी करने के लिए ठोस कदम शासन ने उठाकर महाराष्ट्र पुलिस कर्मचारियों को घर लेने के लिए डिजी लोन मंजूर करने गुहार लगाई है। साथ में कहा है पहले खाकी फिर बाकी।

अयोध्या में जमीन खरीदना अब पहले से ज्यादा हुआ और महंगा

लखनऊ। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या देश-विदेश के पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है। इसी कारण अब लोग अयोध्या में बसने और जमीन खरीदने की इच्छा ज्यादा दिखा रहे हैं। इसी बीच अब अयोध्या में जमीन खरीदना पहले से कहीं ज्यादा महंगा हो गया है, क्योंकि करीब 8 साल बाद जिले में जमीनों के सर्किल रेट में बड़ी बढ़ोतरी की गई है। कई इलाकों में यह बढ़ोतरी 200 प्रतिशत तक की गई है। सर्किल रेट वह न्यूनतम मूल्य होता है जो सरकार किसी इलाके में जमीन की खरीद-फरोख्त के लिए तय करती है। इसी रेट के आधार पर स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस तय होती है। सर्किल रेट ज्यादा होने का मतलब है कि जमीन खरीदने पर खर्च भी बढ़ जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार यह आदेश शनिवार से लागू हो गया है। चूंकि शनिवार को अवकाश था, इसलिए सोमवार से नए सर्किल रेट पर जमीनों की रजिस्ट्री शुरू होगी। अयोध्या के डीएम निखिल टी. फुंडे ने बताया कि अगस्त 2023 में सर्किल रेट बढ़ाने का प्रस्ताव जारी किया गया था। उस पर आई आपत्तियों के बाद समीक्षा की गई और अब नए रेट लागू कर दिए गए हैं।

किसान चौपाल में किसानों को किया गया जागरूक

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार के महाराजगंज। स्थानीय प्रखंड के जिगरवां पंचायत में काली स्थान के पास किसान चौपाल लगाया गया। किसान कल्याण तथा कृषि विभाग के कृषि समन्वयक सुधीर कुमार सिंह ने जानकारी दी कि भारत सरकार एवं बिहार सरकार की विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत सभी पंचायत में किसानों को चौपाल लगाकर जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए कृषि अधिकारियों के साथ-साथ कृषि वैज्ञानिक, कृषि सलाहकार के दल द्वारा ग्राम पंचायतों में जा कर किसानों को लागत कम कर उत्पादन बढ़ाने एवं फसल विविधीकरण संबंधित जानकारी दी जा रही है। विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत किसान भाईयों को कृषि के साथ-साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन के विभिन्न योजनाओं की जानकारी संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा ग्राम पंचायतों में जाकर किसानों को जागरूक किया जा रहा है साथ ही कृषि दल के द्वारा कृषि से संबंधित नवीन तकनीकों पर चर्चा कर किसानों को अवगत किया जा रहा है ताकि किसान भाईयों को अनुसंधान केंद्रों द्वारा किये गये अनुसंधान की जानकारी दी देकर उन्हें अपने क्षेत्र में अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कृषि सलाहकार पुष्पेंद्र कुमार ने बताया चौपाल में साफ-साफ कहा कि किसी भी गांव के किसान कृषि संबंधी कोई समस्या हो कृषि सलाहकार, कृषि समन्वयक, कृषि तकनीकी पदाधिकारी, प्रखंड कृषि पदाधिकारी से सीधे बात कर अपनी फसल संबंधी समस्या को हल कर सकते है . चौपाल में किसान रितेश कुमार ठाकुर, अजीत कुमार गुड्डू यादव, गजानंद महतो कृष्ण प्रसाद, बैरागी लाल साह, विनोद प्रसाद सुनील कुमार छोटेलाल प्रसाद, दुख हरण प्रसाद दुर्गा पांडे, रतन कुमार साह आदि लोग उपस्थित थे।

पीली नदी का होगा जीर्णोद्धार, इस पुनीत कार्य में सभी से सहयोग की अपील : जिलाधिकारी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में प्रस्तावित पीली नदी की खुदाई कराई जाने के संबंध में बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने एक्सईएन सिंचाई विभाग को निर्देशित किया कि इसके संबंध में एक कार्ययोजना बना ली जाए। राजस्व विभाग को निर्देशित किया कि नाप कराए और वन विभाग को पौधरोपण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जेसीबी, ईंधन सहित अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि यह कार्य मा. मुख्यमंत्री जी की प्राथमिकता कार्यों में से एक है, इसमें सभी विभाग समन्वय करते हुए इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए कार्य पूर्ण कराएं। जिलाधिकारी के द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले जेसीबी मालिकों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही जिलाधिकारी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा, निर्देश तथा मा0 मुख्य सचिव के सतत पर्यवेक्षण में समस्त प्रतिनिधिगणों, अधिकारियों, जेसीबी के मालिकों द्वारा मनोयोग से पीली नदी के जीर्णोद्धार का आज इस बैठक में निर्णय लिया गया है। जिसके तकनीकी सदस्य मुख्यतः सिंचाई विभाग, लघु सिंचाई विभाग पीडब्ल्यूडी होंगे तथा राजस्व विभाग नाप करेगा। उन्होंने अवगत कराया कि जेसीबी के स्वामियों द्वारा स्वेच्छा से 1200 घंटे श्रमदान करने की प्रतिबद्धता जाहिर की गई है। यह पुनीत कार्य है। इसमें उन्होंने पीली नदी के आस पास निवास करने वाले किसान भाइयों से भी अपील किया है कि सभी किसान इस पुनीत कार्य में स्वेच्छा से सहयोग करें। जो लोग भी इस कार्य को करेंगे उनके जलपान की व्यवस्था के लिए खंड विकास अधिकारी और उनकी पूरी टीम रहेगी। इस प्रकार हमें श्रमदान के सहयोग से इस कार्य को आगे बढ़ाना है और किसी से कोई भी नकद धनराशि नहीं ली जानी है। श्रमिकों को पारितोषिक दिया जाएगा। उन्होंने प्रबुद्धजनों, समाजसेवियों के द्वारा जो नदियों को शरीर की धमनी के रूप में देखते हैं, उनको भी अपना सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि हम संकल्प लेते हैं कि 11 जून को बैठक के पश्चात 12 जून से इस कार्यक्रम का शुभारंभ हो जाएगा इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयवर चौहान, डीसी मनरेगा सुशील त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी बदलापुर योगिता सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पंचायत में ही अब बनेंगे जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र

सिवान (उत्तरशक्ति)। सिवान बिहार के महाराजगंज। बिहार राज्य कैबिनेट से पंचायत सरकार भवन पर जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत करने की मंजूरी मिल गई है। प्राप्त सूत्रों से के अनुसार कैबिनेट विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ द्वारा जारी निर्देश के अनुसार बताया जाता है कि लोगों को जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए प्रखंड कार्यालय नहीं जाना पड़ेगा, इसके लिए सभी पंचायत में ही इसकी व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। पंचायत सरकार भवन में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अलग से काउंटर बनाए जाएंगे। यहां पंचायत सचिव द्वारा प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। आवेदन भी पंचायत सरकार भवन में ही जमा होंगे। सत्यापन के बाद पंचायत सचिव ही जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र जारी कर देंगे। पहले ये सर्टिफिकेट प्रखंड सांख्यिकी कार्यालय से बनते थे।

क्या है नई व्यवस्थाः नए नियम के अनुसार जन्म के 30 दिन के अंदर आवेदन करने पर किसी बच्चे का बर्थ सर्टिफिकेट पंचायत सचिव के स्तर से जारी हो जाएगा। हालांकि, एक महीने से एक साल तक के बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र प्रखंड सांख्यिकी पदाधिकारी की अनुशंसा पर ही बनेगा। वहीं, अगर जन्म के एक साल बाद बच्चों का बर्थ सर्टिफिकेट बनाना होगा तो उसके लिए बीडीओ के पास जाना होगा।

जौनपुर : तीन के कार्यक्षेत्र में फेरबदल, डीएम ने जारी किए आदेश

जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने प्रशासनिक कार्यों को और अधिक सुचारू व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिले के तीन उप जिलाधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है।जारी आदेश के अनुसारःसुनील कुमार को मड़ियाहूं का नया एसडीएम नियुक्त किया गया है।राजेश चौरसिया को केराकत का उप जिलाधिकारी बनाया गया है।कुणाल गौरव को शाहगंज एसडीएम की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस फेरबदल को प्रशासनिक दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे विभिन्न तहसीलों में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन और जनहित कार्यों में तेजी लाई जा सकेगी।

23 हिंदू युवतियों से की दोस्ती...50 का टारगेट, अश्लील वीडियो बनाकर करता था ब्लैकमेल

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले में एक ऐसा मामला सामने आया है जो पूरे धर्म नगरी को हिला कर रख दिया है। दरअसल एक मुस्लिम युवक जिसका नाम इमरान पुत्र इस्लाम निवासी मछली मंडी थाना कोतवाली पर कुछ संगठनों ने ऐसा आरोप लगाया कि है इमरान एक ऑटो ड्राइवर है जो कि हिन्दू लड़कियों को अपने प्रेमजाल में फंसाकर उनका अश्लील वीडियो बना लेता था और उन अश्लील वीडिओ का हवाला देते हुए उनको ब्लैकमेल करता था।

संगठन के कार्यकताओं का कहना यह भी है कि इमरान हिन्दू नाम से अपना परिचय देता था और हिन्दू लड़कियों से नजदीकियां बढ़ाता था। जब लड़कियों का भरोसा जीतने में कामयाब हो जाता था फिर वह उनके साथ निजी पलों के वीडियो बनाता था उसके बाद वाइरल की धमकी देता था। हिन्दू संगठनों की माने तो युवक अब तक लगभग 23 युवतियों से इस प्रकार की हरकत कर चुका हैं। जबकि अपने इंस्टाग्राम पर लिखा भी स्क्रीन पर नजर आएगा अभी 50 का टारगेट है। वहीं, जब इस मामले की सुचना गो रक्षकओ के द्वारा पुलिस को दी गई तुरंत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवक को हिरासत में ले लिया क्योंकि इस मामले को लेकर कई स्थानीय संगठनों में भारी आक्रोश है। हिन्दू संगठनों ने इस घटना को लव जिहाद का मामला बताते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वहीं इस मामले पर क्षेत्राधिकारी नगर ने बताया कि सोसल मीडिया पर कुछ अनर्गल टिप्पणी बाते आदि का मामला आया है पूछताछ की जा रही है आगे विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पिता की गालियां छुड़ाने वाली बेटी ने जीता अवार्ड

चंडीगढ़। 10वें सेल्फी विद डॉटर दिवस के अवसर पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में आयोजित समारोह के दौरान मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव खेड़ा की पंचायत को दिया गया है। गोटे गांव खेड़ा की पंचायत ने कुल 27 पंचायतों को पछाड़ते हुए यह सम्मान हासिल किया है। यह कार्यक्रम कन्या भ्रूण मर्डर रोकने व गाली बंद घर अभियान को समर्पित किया गया।

अमेजन इंडिया और कैरेटलेन की साझेदारी

सुविधाजनक तरीके से बेहतरीन आभूषण ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए की साझेदारी

मुंबई। अमेजन इंडिया और कैरेटलेन ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की, जिसके तहत कैरेटलेन के बेहतरीन आभूषण संग्रह ९ङ्गल्ल.इन पर उपलब्ध होंगे और यह अमेजन फैशन के शानदार आभूषण संग्रह का उल्लेखनीय विस्तार होगा। यह गठजोड़ कैरेटलेन के मशहूर शिल्प कौशल और समकालीन डिजाइनों को अमेजन के विश्वसनीय डिलीवरी नेटवर्क, सुरक्षित भुगतान विकल्पों, और बिना किसी परेशानी के खरीदारी के अनुभव के साथ जोड़ता है, जिससे पूरे भारत में ग्राहकों के लिए कैरेटलेन आभूषण खरीदना आसान बन जाएगा। इस साझेदारी में 20% तक की छूट का विशेष ऑफर भी शामिल है। मुंबई, दिल्ली, बैंगलोर, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, और अहमदाबाद के ग्राहक 48 घंटे की तेज डिलीवरी सेवा का आनंद ले सकते हैं। साथ ही अन्य जगहों पर अमेजन का विश्वसनीय डिलीवरी नेटवर्क यह सेवा प्रदान करेगा। अमेजन फैशन और कैरेटलेन, दोनों ही इस लॉन्च के साथ प्रीमियम और लग्जरी ब्रांड की पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित कर रहे हैं, जिससे मेट्रो और अन्य शहरों के ग्राहकों को आसानी से सुंदर आभूषण खोजने और खरीदने में मदद मिलेगी।

शोमेन भौमिक, प्रबंध निदेशक, कैरेटलेन ने कहा,₹हमें अमेजन इंडिया के साथ यह साझेदारी करने पर खुशी हो रही है। यह सहयोग हमें शानदार खूबसूरत आभूषणों को और अधिक सुलभ बनाने के हमारे मिशन को आगे बढ़ाने में मदद करता है, जिसमें शिल्प कौशल के साथ सुविधा का मिश्रण है। साथ मिलकर, हम पूरे भारत में कई ने आभूषणों के शौकीन लोगों और घरों तक पहुंच बनाएंगे।₹ कैरेटलेन-अ टाटा प्रोडक्ट (टाटा उत्पाद) की स्थापना 2008 में हुई थी और इसने बेहतरीन आभूषण को अधिक सुलभ, आधुनिक और पहनने योग्य बनाकर भारत के आभूषण परिदृश्य में क्रांति ला दी। नए किस्म के डिजाइनों और गुणवत्तापूर्ण शिल्प कौशल के लिए मशहूर इस ब्रांड ने खुद को भारतीय आभूषण बाजार में विश्वसनीय इकाई के रूप में स्थापित किया। ग्राहक अब महिलाओं और बच्चों के लिए कैरेटलेन के चुनिंदा संग्रह आराम से देख-परख सकते हैं, जिसमें अंगूठियां, झुमके, हार, और कंगन शामिल हैं। ये आभूषण सोने से तैयार किए गए हैं और इनमें प्रामाणिक हीरे या रत्न जड़े हैं।

सिद्धार्थ भगत, निदेशक, अमेजन इंडिया फैशन एंड ब्यूटी ने कहा,₹अमेजन फैशन में, हम अपने ग्राहकों को असाधारण सुविधा और मूल्य के साथ बेहतरीन चयन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कैरेटलेन आज के आधुनिक भारतीय उपभोक्ता के साथ गहराई से जुड़ता है जो महत्वाकांक्षी, डिजाइन के लिहाज से परिष्कृत पसंद वाले, और डिजिटल रूप से समझदार हैं। यह साझेदारी हमारे ग्राहकों को प्रचलित स्टाइल (शैली) और विशिष्ट पसंद के साथ हर दिन और विशेष क्षणों का जश्न मनाने में मदद करेगी, जिनकी डिलीवरी अें९ङ्गल्ल की विश्वसनीय सेवा और गति के साथ की जाएगी।

रात में ताला तोड़कर चोरी करने वाले गैंग के 4 आरोपी सोने के गहने के साथ गिरफ्तार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई के मालाड पूर्व कुरार पुलिस स्टेशन की हद में रात में घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले गैंग के 4 लोगो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस गैंग में 3 पुरुष और एक महिला आरोपी शामिल है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम अब्दुल रफीक हमीद अंसारी उर्फ अप्पू खोटा (29), सूरज संजय यादव (29), आकाश चंद्रकांत पवार (25) और दीपाली डंपर भुल (25) है। मालाड के रहने वाले हैं। आरोपियों के पास 100 ग्राम सोना, 240 ग्राम चांदी और 80 हजार नगद बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के ऊपर 40 से ज्यादा चोरी और घरफोडी के मामले दर्ज किया है। मालाड पूर्व के पिपरीपाड़ा में रात में लगातार चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रहे थे। मामले की गंभीरता को देखते हुवे कुरार पुलिस ने कई टीम बनाकर मामले की जांच सुरु की। तांत्रिक विश्लेषण और सूत्रों की मदद से गैंग के बारे में जानकारी मिली कि गैंग दिन में घरों की रेकी कर। जिन घरों में ताले लगे होते थे उनको टारगेट कर रात को ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया करते थे। कुरार पुलिस ने पिपरीपाड़ा में जाल बिछाकर चोर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच कुरार पुलिस कर रही हैं।

हिसार से चंडीगढ़ के लिए हवाई सेवा शुरू, सीएम सैनी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने आज महाराजा अग्रसेन हिसार हवाई अड्डे से हिसार-चंडीगढ़ के बीच चलने वाली हवाई सेवाओं का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नागरिक उड्डयन मंत्री विपुल गोयल, कैबिनेट मंत्री रणबीर सिंह गंगवा व भाजपा के अन्य बड़े नेता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिसार हवाई अड्डे का शुभारंभ किया था। हिसार से अयोध्या सीधे हवाई सेवाएं मिल रही हैं। लोग इस हवाई यात्रा का लाभ ले रहे हैं। आज हिसार चंडीगढ की हवाई सेवाएं शुरू हो रही हैं। हिसार के लोगों को बहुत बहुत बधाई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिसार से अन्य हवाई अड्डों तक भी जल्द ही हवाई सेवाएं शुरू होंगी। इस हवाई सेवा का लाभ हरियाणा के साथ साथ पंजाब व राजस्थान के लोगों को भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व के 11 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इसे देश उत्सव के रूप में मनाए रहा है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारा देश दुनिया की सबसे बड़ी पांचवी हमारी अर्थव्यवस्था बना। भारत की अनेक समस्याओं का समाधान हुआ।

टेंपो में सफर के दौरान सड़क पर गिर गई एक साल की बच्ची, परिजनों को भनक तक नहीं

खेतासराय पुलिस की सक्रियता और 112 की मदद से बच्ची को महज 3 घंटे में सकुशल किया बरामद

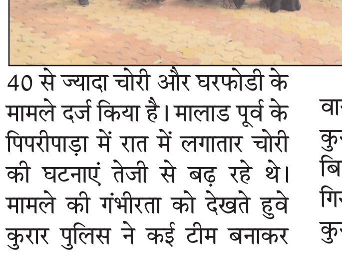

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना खेतासराय पुलिस टीम ने रात्रि में खलीलाबाद से जौनपुर सहपरिवार जाने के दौरान टेम्पो से गिरी एक साल की बच्ची को प्राप्त कर परिवार को सकुशल सुपुर्द किया गया। थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा गस्त के दौरान टेम्पो से एक साल की बच्ची जो खलीलाबाद से जौनपुर सहपरिवार जा रही थी कि टेंपो में सफर के दौरान सड़क पर गिर गई और परिजनों को इसकी भनक तक नहीं लगी। खेतासराय पुलिस की सक्रियता और 112 की मदद से बच्ची को महज 3 घंटे में सकुशल बरामद कर परिजनों से मिलवा दिया गया। बच्ची के सकुशल मिलने पर परिवार वालों ने राहत की सांस ली और पुलिस का आभार जताया। रात के सफर में मनेछा गांव (थाना खेतासराय क्षेत्र) के पास एक साल की मासूम बच्ची जुबीया अनजाने में वाहन से नीचे गिर गई। अंधेरे और सफर की थकावट के कारण परिवार को इसका पता ही नहीं चला और वे आगे बढ़ते रहे। परिजनों को काफी देर बाद पूर्वांचल के किसी मोड़ पर एहसास हुआ कि बच्ची टेंपो में नहीं है। उन्होंने तुरंत 112 पर कॉल कर सूचना दी। खेतासराय पुलिस ने अलर्ट होते हुए सर्च ऑपरेशन शुरू किया। सुबह करीब 6 बजे बच्ची गश्त के दौरान मनेछा गांव के पास सड़क किनारे सकुशल मिली। पुलिस टीम उसे थाना लेकर आई और परिजनों से संपर्क किया। थाना कोतवाली क्षेत्र के सिपाह स्थित ईरानी बस्ती बागे अरब में रहने वाले परिजनों को सूचना मिलते ही वे खेतासराय थाने पहुंचे। पुलिस ने उन्हें बच्ची सौंप दी। बच्ची की मां नाजिया ने पुलिस टीम का आभार जताते हुए कहा, अगर पुलिस समय रहते सक्रिय न होती तो हमारे लिए यह दिन किसी दुःस्वप्न से कम नहीं होता। पुलिस की तत्परता की हर तरफ सराहना बच्ची के सकुशल मिलने की खबर क्षेत्र में फैलते ही हर ओर खेतासराय पुलिस की तारीफ होने लगी। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई की सराहना की।